राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार,26 नवंबर 2022 वर्ष–5,अंक–299 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

‘एक इंच नहीं देंगे जमीन’, उद्धव के ‘बोलने की हिम्मत नहीं’ वाले बयान के बाद सीएम शिंदे की हुंकार

मुंबई। महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच सीमा विवाद गहराता जा रहा है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाश शिंदे ने कहा है कि उनकी सरकार राज्य की एक इंच भी जमीन किसी को नहीं देने वाली है। शिंदे ने शुक्रवार को कहा, ’बॉर्डर एरिया में रहने वाले मराठी लोगों को हम न्याय देने का काम कर रहे हैं। महाराष्ट्र की एक इंच भी जमीन किसी और को नहीं लेने देंगे। 40 गांवों की समस्या का हल निकालना हमारी सरकार की जिम्मेदारी है।

माना जा रहा है कि सीएम शिंदे का यह बयान शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे की उस बात के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे में कर्नाटक के मुख्यमंत्री के खिलाफ बोलने का साहस नहीं है। ठाकरे ने शिंदे पर कटाक्ष करते हुए कहा, क्या हमने अपना साहस खो दिया है क्योंकि कर्नाटक के मुख्यमंत्री आसानी से महाराष्ट्र के गांवों पर दावा कर रहे हैं। वहीं, प्रमुख शरद पवार ने कहा था कि भारतीय जनता पार्टी कर्नाटक के मुद्दे से भाग नहीं सकती है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री के बयान से खड़ा हुआ विवाद

दरअसल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के इस दावे के बाद यह विवाद पैदा हो गया है कि महाराष्ट्र के कई सीमावर्ती गांव कभी उनके राज्य का हिस्सा बनना चाहते थे।

बोम्मई ने दावा किया था कि महाराष्ट्र के सांगली जिले के जाट तालुका में कुछ ग्राम पंचायतों ने पूर्व में एक प्रस्ताव पारित कर कर्नाटक में विलय की मांग की थी, जब वे गंभीर जल संकट का सामना कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार ने पानी मुहैया कराकर उनकी मदद के लिए योजनाएं तैयार की हैं और उनकी सरकार जाट गांवों के प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार कर रही है।

महाराष्ट्र का कोई गांव कर्नाटक में नहीं जाएगा-फडणवीस

इस पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, महाराष्ट्र का कोई गांव कर्नाटक में नहीं जाएगा! कर्नाटक में बेलगाम-कारवार-निपानी सहित मराठी भाषी गांवों को वापस पाने के लिए राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट में मजबूती से अपना पक्ष रखेगी!% बोम्मई ने जवाबी हमला करते इसे भड़काऊ बयान करार दिया। उन्होंने कहा, उनका (फडणवीस) सपना कभी पूरा नहीं होगा। हमारी सरकार हमारे राज्य की भूमि, जल और सीमाओं की रक्षा के लिए कटिबद्ध है।% मालूम हो कि बेलगावी को लेकर विवाद 1960 के दशक में भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के बाद से बना हुआ है।

● माना जा रहा है कि सीएम शिंदे का यह बयान शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे की उस बात के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे में कर्नाटक के मुख्यमंत्री के खिलाफ बोलने का साहस नहीं है। ठाकरे ने शिंदे पर कटाक्ष करते हुए कहा, क्या हमने अपना साहस खो दिया है क्योंकि कर्नाटक के मुख्यमंत्री आसानी से महाराष्ट्र के गांवों पर दावा कर रहे हैं।

आप एमएएल अखिलेश त्रिपाठी की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, एसीबी ने जब्त किया मोबाइल

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम चुनाव में कैश फॉर टिकट मामले में फंसे आम आदमी पार्टी के विधायक अखिलेश त्रिपाठी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार रोधी शाखा (एसीबी) ने मामले की जांच के सिलसिले में उनका मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। बताया जा रहा है कि एसीबी ने रिश्वत के कथित आदान-प्रदान से संबंधित महत्वपूर्ण सीसीटीवी फुटेज भी बरामद किए हैं। मॉडल टाउन से विधायक त्रिपाठी से मंगलवार को पूछताछ की गई थी। वजीरपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक राजेश गुप्ता से बुधवार को फिर पूछताछ हुई। इससे पहले एसीबी दोनों विधायकों से दो बार पूछताछ कर चुकी है। एक अधिकारी ने कहा, दोनों विधायकों के आवास, कार्यालय और रिश्वत के लेन-देन वाले स्थान के बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। एसीबी ने पहले प्राथमिकी दर्ज कर त्रिपाठी के निजी सहायक और उनके रिश्तेदार समेत तीन लोगों को 33 लाख रुपये की रिश्वत के साथ गिरफ्तार किया था। अधिकारियों के मुताबिक, वे मामले में आरोपियों के बैक अकाउंट के विवरण, चल-अचल संपत्ति की जांच कर रहे हैं। अधिकारी ने कहा, संदिग्धों ओम सिंह और शिव शंकर पांडेय के पास से बरामद मोबाइल फोन और लैपटॉप की जांच की जा रही है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि त्रिपाठी और उनके सहयोगियों ने एमसीडी चुनाव में उनकी पत्नी को टिकट देने के बदले 90 लाख रुपये की मांग की थी।

दिल्ली में भागीरथ पैलेस इलेक्ट्रॉनिक मार्केट में लगी भीषण आग, काबू पाने के प्रयास जारी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के चांदनी चौक स्थित भागीरथ पैलेस इलेक्ट्रॉनिक मार्केट में गुरूवार रात लगी भीषण आग देर रात तक भड़की रही और आग पर काबू पाने के प्रयास जारी हैं। दिल्ली अग्निशमन सेवा विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए कई दमकल की गाड़ियों मौके पर मौजूद है और आग को काबू पाने के पूरे प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया हालांकि इस हादसे में अभी तक किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। अग्निशमन विभाग को रात में साढ़े नौ बजे के करीब आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलने के बाद आग बुझाने के लिए दमकल की गाडियों के साथ अग्निशमन कर्मियों को मौके पर भेजा गया। आग इतनी भीषण लगी थी कि देखते ही देखते करीब बीस दुकानों में आग फैल गयी। इस घटना के बाद चारों तरफ अफरा-तफरी फैल गयी और धुएं के गुब्बार दिखाई दे रहे थे। उन्होंने आज सुबह कहा, ÷स्थिति बेहद खराब है। हालांकि आग लगने वाली इमारत का ज्यादातर हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। दमकल की 40 गाड़ियां आग पर काबू करने के लिए लगाई गई हैं।÷ उन्होंने

कहा कि आग पर सुबह तक काबू पाया जा सकता है। विस्तृत रिपोर्ट अभी आने की प्रतिक्षारत हैं। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन आज तड़के घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि इमारत में आग लगने से धीरे-धीरे ढह रही है। इमारत की दो मंजिले पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गयी हैं। अग्निशमन विभाग के मुताबिक आज कल रात नौ बजकर 20 मिनट पर लगी और साढ़े नौ बजे के करीब उन्हें आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलने के बाद दमकल की गाड़ियों और अग्निशमनकर्मियों को आग बुझाने में लगाया गया। इसके अलावा पुलिस और अन्य बल आग पर काबू पाने के लिए कड़ी मशक्कत करते रहे है। तंग एवं सकरी गलियों की वजह से आग बुझाने में दमकलकर्मियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

गुजरात के इन गांवों को अभी भी है सड़क का इंतजार, ग्रामीणों ने कहा- ‘नो रोड, नो वोट’

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा के पहले चरण के चुनाव में अब पांच दिन ही रह गए हैं। एक तरफ जहां सभी राजनीतिक दलों के लोग हरेक गांव और हरेक दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं, वहीं राज्य के कुछ गांव ऐसे हैं, जो किसी भी राजनीतिक दल को अपने गांव में चुनाव प्रचार करने के लिए घुसने नहीं दे रहे हैं। इन गांव वालों ने 2022 के विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करने का ऐलान किया है। राज्य के छोटे से अरावली जिले का चेहवाना मुवाडा गांव एक ऐसा ही गांव है, जहां चुनाव का प्रचार करने वालों का प्रवेश वर्जित कर दिया गया है। गांव वालों का कहना है कि जब तक गांव के लिए पक्की सड़क नहीं बनाई जाती, तब तक वे लोग वोट नहीं देंगे। ग्रामीणों ने नो रोड, नो वोट का बैनर भी गांव के बाहर लगा दिया है।

200 की आबादी वाले इस छोटे से गांव में एक प्राइमरी स्कूल तो है लेकिन मुख्य सड़क से यहां तक आने के लिए तीन किलोमीटर की कच्ची सड़क है, जिस पर कई गड्ढे हैं। मेडिकल इमरजेंसी में बुजुर्गों को या बीमारों को लाने-ले जाने में काफी परेशानी होती है। मजबूरी में लोग चारपाई पर टांग कर

उन्हें ले जाते हैं क्योंकि एम्बुलेंस वहां नहीं पहुंच सकता है। चार महीने की बरसात में यह गांव शहर से कट जाता है। यहां से निकलना मुश्किल हो जाता है।

जाते-जाते पाकिस्तान की पोल खोल गए जनरल बाजवा, राजनीति में सेना के हस्तक्षेप की बात स्वीकारी

इसी तरह का एक और गांव है, जहां के लोगों ने वोट का बहिष्कार किया है लेकिन उनकी मांग सड़क बनवाने की नहीं बल्कि रेत माफिया पर लगाम लगाने की है। नर्मदा जिले के ओरी गांव के लोगों का कहना है कि अवैध बालू उत्खनन और उसकी ढुलाई की वजह से इलाके के खेतों में रेत पसर जाता है, जिससे न सिर्फ उनकी फसल चौपट होती है बल्कि ट्रकों से होने वाली रेत की ढुलाई की वजह से उनके घरों में भी रेत धूल के रूप में पहुंच रहा है। इससे उनका स्वास्थ्य बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, यहां भी ग्रामीणों ने वोट के बहिष्कार का ऐलान करते हुए गांव के बाहर उसका बैनर लगा दिया है। यहां भी ग्रामीण किसी भी प्रत्याशी को चुनाव प्रचार करने के लिए गांव में घुसने नहीं दे रहे हैं।

सिसोदिया को सता रही केजरीवाल की हत्या की आशंका, भाजपा सांसद मनोज तिवारी का बताया प्लान

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा है कि पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल की हत्या हो सकती है। उन्होंने कहा है कि एमसीडी और गुजरात में हार के डर से भाजपा साजिश रच रही है। सिसोदिया ने भाजपा सांसद मनोज तिवारी का भी नाम लिया और उन पर साजिश रचने का आरोप लगाया। सिसोदिया ने आरोप लगाया कि दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और नॉर्थ ईस्ट दिल्ली से सांसद मनोज तिवारी ने अपने गुंडों को केजरीवाल पर हमला करने को कहा और इसके लिए पूरी प्लानिंग की गई है। सिसोदिया ने ट्वीट किया, गुजरात और एमसीडी चुनाव मे हार के डर से बौखलाई बीजेपी अरविंद केजरीवाल की हत्या की साजिश रच रही है। इनके सांसद मनोज तिवारी खुलेआम अपने गुंडों को अरविंद जी पर हमला करने के लिए कह रहे है और इसकी पूरी प्लानिंग कर ली है। आप इनकी टुच्ची राजनीति से नही डरती,इनके गुंडागर्दी का जबाव अब जनता देगी।

दरअसल, सिसोदिया का ट्वीट मनोज तिवारी के उस ट्वीट के जवाब में आया जो उन्होंने गुजरात में प्रचार के दौरान किया। उन्होंने कहा कि टिकटों की बिक्री और सत्येंद्र जैन का मसाज लेते हुए

सामने आए वीडियो की वजह आप कार्यकर्ताओं में जितना आक्रोश है, उसको देखते हुए उन्हें दिल्ली के सीएम की सुरक्षा की चिंता सता रही है। तिवारी ने लिखा, अरविंद केजरीवाल जी की सुरक्षा को लेकर मैं चिंतित हूं,क्योंकि लगातार भ्रष्टाचार,टिकिट बिक्री व जेल में बलात्कारी से दोस्ती व मसाज प्रकरण को लेकर क्कार्यकर्ता व जनता गुस्से में हैं। इनके विधायक पिटे भी हैं। इसलिए दिल्ली के सीएम के साथ ऐसा ना हो.. सजा न्यायालय ही दे।

दिल्ली एम्स से 4 करोड़ मरीजों का डेटा चोरी, अटल बिहारी-सोनिया गांधी समेत कई दिग्गजों का हुआ है इलाज

नई दिल्ली। दिल्ली एम्स के ऑनलाइन सिस्टम पर बड़े साइबर अटैक का खुलासा हुआ है। एम्स के सिस्टम से करीब 4 करोड़ मरीजों का डेटा चोरी हुआ है। यह देश के मेडिकल सेक्टर में अब तक की सबसे बड़ी हैकिंग है। 8 साल पहले एम्स के डेटा को पूरी तरह से डिजिटल हुआ था। उसके बाद एम्स में अटल बिहार सहित कई पूर्व प्रधानमंत्रियों, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी का इलाज हो चुका है। इन सभी का पर्सनल डेटा एम्स के सर्वर से हैक हो चुका है।

पिछले दो दिन से NIC, CBI, IB, DRDO और दिल्ली पुलिस जांच में जुटी हुई है। उधर, एम्स के दो सिस्टम एनालिस्ट को निलंबित कर दिया गया है।

सूत्रों के अनुसार, डेटा हैक में इंटरनेशनल साइबर क्राइम का कनेक्शन

होने की आशंका है। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि कि ये साइबर टेरर से जुड़ा मामला है। इस संबंध में गुरुवार को FIR दर्ज की गई है। दिल्ली एम्स का सर्वर बुधवार सुबह 7 बजे से डाउन है, जिसे करीब 48 घंटे बाद भी रिकवर नहीं किया जा सका है। इसके चलते अस्पताल में मरीजों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन में दिक्कतें आ रही हैं।

ऑनलाइन सेंट्रल सिस्टम से जुड़े कंप्यूटर्स की जांच-जांच एजेंसियां एम्स में ऑनलाइन सेंट्रलाइज्ड सिस्टम से जुड़े सभी कंप्यूटर्स को खंगाल रही हैं। साइबर एक्सपर्ट और सॉफ्टवेयर इंजीनियर डेटा हैक के सोर्स और रिसीवर की तलाश में जुटी है। साथ ही साइबर अटैक के संभावित खतरे से निपटने के उपाय भी किए जा रहे हैं।

इंटरनेट को बंद किया गया, सभी काम मैन्युअली हो रहे एम्स में इंटरनेट बंद कर दिया है। ई-हॉस्पिटल डेटाबेस और लैब इन्फॉर्मेशन सिस्टम के डेटा बेस को एक्सटर्नल हार्ड ड्राइव में लिया गया है। चार एक्सट्रा सर्वर लगाए गए हैं। ओपीडी और आईपीडी में सभी काम मैन्युअली हो रहे हैं।

दिल्ली पुलिस रैनसमवेयर अटैक की आशंका जता रही

पुलिस शुरूआती जांच में रैनसमवेयर अटैक मान रही है। जबरन वसूली की धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है।

फार्मा कंपनियां, सर्जिकल इंस्ट्रूमेंट कंपनियां और अन्य मेडिकल कंपनियां इस डेटा का फायदा अपने हितों के लिए उठा सकती हैं।

सर्ट इन रेस्पांस टीम भी शामिल...

एम्स के कंप्यूटर्स से डेटा हैक की जांच में क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसियों के साथ भारतीय कंप्यूटर इमरजेंसी रेस्पांस टीम भी शामिल है। सर्ट इन की टीमें साइबर हैकिंग के तकनीकी पक्षों की जांच कर रही है।

देश में हर महीने 3 लाख साइबर अटैक... इंडसफेस की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर महीने हेल्थकेयर सेक्टर पर लगभग 3 लाख साइबर हमले होते हैं। ये दुनियाभर में दूसरे सबसे अधिक साइबर हमले हैं। अमेरिकी हेल्थ सेक्टर पर हर माह लगभग पांच लाख साइबर अटैक होते हैं।

राजस्थान और दिल्ली में बारिश की संभावना

नई दिल्ली। उत्तर भारत में ठंड ने दस्तक दे दी है। दिल्ली एनसीआर में सुबह और शाम को ठंड महसूस की जा रही है। वहीं, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा में भी पारा लगातार गिर रहा है। मौसम विभाग की मानें तो 25 नवंबर के बाद उत्तर भारत के लोगों को शीतलहर के लिए तैयार रहना चाहिए। वहीं, आज पंजाब, हरियाणा, उत्तरी राजस्थान, दिल्ली के साथ-साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बारिश और तेज हवाओं की संभावना है, जिससे ठंड बढ़ सकती है।

दिल्ली में शीतलहर के लिए रहें तैयार

दिल्ली में आज तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है। तेज हवा चलने के कारण दिल्ली एनसीआर में वायु की गुणवत्ता में मामूली सुधार देखा जा रहा है। हालांकि, आज दिल्ली-एनसीआर में सुबह कोहरा देखने को मिला, लेकिन दिन चढ़ते-चढ़ते हालात बदलने की पूरी संभावना मौसम विभाग ने जताई है। दिल्ली में आज न्यूनतम तापमान 8 डिग्री और अधिकतम 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा सकता है।

उत्तर प्रदेश में कैसा रहेगा मौसम

दिल्ली की मुकाबले उत्तर प्रदेश में आज मौसम गर्म रहेगा। राजधानी लखनऊ में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री और अधिकतम तापमान 27 डिग्री रहने की संभावना है। लखनऊ में सुबह के वक्त हल्का कोहरा भी दिखाई दे रहा है। इधर, दिल्ली से सटे गाजियाबाद में आज न्यूनतम तापमान 9 डिग्री

और अधिकतम तापमान 25 डिग्री रहेगा। यहां भी सुबह के वक्त लोगों को कोहरा दिखाई दिया।

मध्य प्रदेश में मौसम लेने जा रहा करवट-मध्य प्रदेश में आज से मौसम करवट ले सकता है। यहां शीत लहर का कहर जारी हो सकता है। एमपी में 15 नवंबर के बाद से मौसम में बदलाव होना शुरू हो गया था। मौसम विभाग ने बताया है कि आने वाले दिनों में मध्य प्रदेश के मौसम में तेजी से बदलाव होगा और तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के कारण मध्य प्रदेश में 25 नवंबर से मौसम करवट लेगा।

पश्चिमी विक्षोभ बढ़ाएगा उत्तर भारत में ठंड-मौसम विभाग के मुताबिक, एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पाकिस्तान और आसपास के क्षेत्रों पर बना हुआ है। इससे चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र उत्तरी राजस्थान के ऊपर देखा जा सकता है। इससे पहाड़ी क्षेत्रों में ओलावृष्टि की संभावना के साथ कई स्थानों पर बारिश और हिमपात की संभावना है। एक या दो स्थानों पर भारी गतिविधि भी हो सकती है। इन क्षेत्रों में भूस्खलन और सड़क अवरोध की संभावनाएं बनी हुई हैं। साथ ही, पंजाब, हरियाणा, उत्तरी राजस्थान, दिल्ली के साथ-साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बारिश और तेज़ हवाओं की संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत में अभी राहत...!

उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के अधिकांश हिस्सों में उत्तरी दिशा से आने वाली हवाओं के बहने की संभावना है। इन राज्यों में सुबह-सुबह धुंध देखी गई। पूर्वोत्तर राज्यों में चक्रवाती हवाओं के क्षेत्र के बावजूद मुख्य रूप से शुष्क मौसम दिखाई दे रहा है। कोलकाता में धूप खिलने की संभावना है। वहीं, दक्षिणी राजस्थान और उत्तरी मध्य प्रदेश में सुबह के तापमान में मामूली वृद्धि देखी जा रही है। तटीय महाराष्ट्र, मुंबई और रत्नागिरी बहुत गर्म रहने की संभावना है।

तमिलनाडु और केरल में बारिश की संभावना

दक्षिणी प्रायद्वीप में उत्तर-पूर्वी दिशा से मध्यम हवाएं चलने की संभावना है। इसके परिणामस्वरूप दक्षिणी तमिलनाडु और केरल में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई जा रही है। दूसरी ओर, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक के अधिकांश हिस्से सूखे रहेंगे। चेन्नई, त्रिवेंद्रम और कोच्चि में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, बेंगलुरु और हैदराबाद में मौसम शुष्क बना रहेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

साख पर न आये आंच

पछली सदी के अंतिम दशक में पूरे कार्यकाल में काम करने वाले मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन ने अपने विज़न से चुनाव प्रक्रिया में आमूल-चूल परिवर्तन किये। बिना किसी राजनीतिक दबाव के चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी व विश्वसनीय बनाया। उनकी अनुशासित व सख्त कार्यशैली से राजनीतिक दल निरंकुश व्यवहार नहीं कर पाये। लेकिन उनके बाद शायद ही किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को पूरा कार्यकाल मिला हो जिससे वे चुनाव सुधार की प्रक्रिया को मूर्त रूप दे पाते।

स्वतंत्र चुनाव आयोग लोकतंत्र की पहली शर्त/ भारत जैसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की साख के लिये जरूरी है कि चुनाव प्रक्रिया को अंजाम देने वाली संस्था सशक्त व स्वतंत्र हो। तभी आम व्यक्ति का चुनाव प्रक्रिया में भरोसा कायम रह सकता है। जरूरी है कि देश का निर्वाचन आयोग किसी राजनीतिक दल या सरकार के दबाव से मुक्त होकर नियम-कानून के अनुसार फैसले ले। अब चाहे कार्यपालिका के शीर्ष व्यक्ति का चुनाव प्रक्रिया से जुड़ा मसला ही क्यों न हो। लेकिन हाल के दिनों में चुनाव आयुक्तों के चयन को लेकर कई विसंगतियां सामने आई हैं। मौजूदा सरकार ही नहीं बल्कि पिछली कई सरकारों के दौरान ढाई दशक की अवधि में कोई भी मुख्य चुनाव आयुक्त निर्धारित कार्यकाल पूरा नहीं कर सका। पिछली सदी के अंतिम दशक में पूरे कार्यकाल में काम करने वाले मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन ने अपने विज़न से चुनाव प्रक्रिया में आमूल-चूल परिवर्तन किये। बिना किसी राजनीतिक दबाव के चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी व विश्वसनीय बनाया। उनकी अनुशासित व सख्त कार्यशैली से राजनीतिक दल निरंकुश व्यवहार नहीं कर पाये। लेकिन उनके बाद शायद ही किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को पूरा कार्यकाल मिला हो जिससे वे चुनाव सुधार की प्रक्रिया को मूर्त रूप दे पाते। शायद यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ को इस बाबत एक याचिका पर सुनवाई के दौरान तल्ख टिप्पणी करनी पड़ी। कोर्ट को कहना पड़ा कि संविधान में मुख्य चुनाव आयुक्त व चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया तय न करके यह कार्य संसद पर छोड़ा गया था, जिसका सरकारें अनुचित लाभ उठाती रही हैं। शीर्ष अदालत ने इस मुद्दे की सुनवाई के दौरान नये चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाये। साथ ही सरकार से इस चयन से जुड़ी फाइल पेश करने को कहा गया है। कोर्ट का कहना था कि मुख्य चुनाव आयुक्त को इतना सशक्त होना चाहिए कि यदि किसी चुनाव प्रक्रिया के दौरान सरकार के मुखिया के खिलाफ कोई शिकायत आये तो उस पर भी कार्रवाई की जा सके। दरअसल, शीर्ष अदालत की टिप्पणी से पहले भी इस मुद्दे को लेकर सवाल उठाये जाते रहे हैं। संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार मुख्य चुनाव आयुक्त का कार्यकाल छह वर्ष या 65 वर्ष तक है, जो भी पहले पूरा होता हो। लेकिन पिछले कुछ समय से देखने में आ रहा है कि सरकारों द्वारा चुनाव आयुक्त की नियुक्ति इस तरह की जा रही है कि वे निर्धारित अधिकतम आयु सीमा आने के कारण अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाते। हालांकि सरकारों को पता होता है कि नियुक्त किये गये व्यक्ति की जन्मतिथि क्या है। कहा जा सकता है कि सरकारों की मंशा रहती है कि कोई भी चुनाव आयुक्त अपना कार्यकाल पूरा न कर सके। जिसके चलते मुख्य चुनाव आयुक्त अपने विज़न के अनुसार चुनाव व्यवस्था में सुधार को अंजाम नहीं दे पाते। उल्लेखनीय है कि लॉ कमीशन भी अपनी रिपोर्ट में कह चुका है कि मुख्य चुनाव आयुक्त सहित सभी चुनाव आयुक्तों का चयन तीन सदस्यीय चयन समिति की सिफारिशों के अनुरूप हो, जिसमें प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष या लोकसभा में सबसे बड़े विपक्षी दल का नेता तथा मुख्य न्यायाधीश शामिल हों। यही वजह है कि इस मामले की सुनवाई कर रही संविधान पीठ के न्यायमूर्ति के.एम. जोसेफ ने सरकार से पूछा कि क्या वह इस प्रक्रिया में मुख्य न्यायाधीश को शामिल करेगी? निस्संदेह, किसी भी लोकतंत्र की विश्वसनीयता उसकी पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया पर निर्भर करती है। यह तभी संभव है जब मुख्य चुनाव आयुक्त व चुनाव आयुक्त किसी सरकार, राजनीतिक दल व नेता के प्रभाव से मुक्त होकर निष्पक्ष ढंग से काम करें। देखने में आया है कि विभिन्न चुनावों के दौरान उठने वाले विवादों में सत्तारूढ़ दल के नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई होती नजर नहीं आती।

सूक्ति

मूर्खों से बहस करके कोई भी व्यक्ति, विद्वमान नहीं कहला सकता, मूर्ख पर विजय पाने का एकमात्र उपाय यही है कि उसकी ओर ध्यान नहीं दिया जाए।
- संत ज्ञानेश्वर

जो व्यक्ति इंसान की बनाई मूर्ति की पूजा करता है, लेकिन भगवान की बनाई मूर्ति (इंसान) से नफरत करता है, वह भगवान को कभी प्रिय नहीं हो सकता। - स्वामी ज्योतिनंद

लॉफिंग ज़ोन

नौकर ने घबराए हुए लहजे से मालकिन से कहा, 'मालकिन गजब हो गया। अभी-अभी एक आदमी ने मालिक को एक कागज और एक पैकेट ला कर दिया। उसे देखते ही मालिक बेहोश हो गए और अभी तक होश में नहीं आए।'

मालकिन (खुश होकर), 'अच्छा, मालूम होता है जौहरी वह हार बनाकर दे गया है जिसका आर्डर मैंने पिछले हफ्ते दिया था।'

□ □ □

अमित, 'सुमित अपने बर्थडे पर तुम्हें कौन-सा गिफ्ट सबसे ज्यादा पसंद आया?'

सुमित, 'बाजा।'

अमित, 'क्यों?'

सुमित, 'क्योंकि उसे न बजाने के लिए पापा मुझे रोज पांच रूपये देते हैं।'

□ □ □

हाथी और चीटी के बच्चे में दोस्ती हो गई। दोनों खेल रहे थे कि हाथी का बच्चा परेशान हो गया।

चींटी के बच्चे ने पूछा, 'क्या बात है तुम बड़े परेशान दिखाई देते हो?'

हाथी का बच्चा बोला, 'मेरे पापा आ गए है।

चींटी का बच्चा बोला, 'तो इसमें परेशान होने की क्या बात है तुम मेरे पीछे छुप जाओ।'

□ □ □

सिर्फ राजनीतिक वर्चस्व के चश्मे से न देखें

संसदीय कामकाज के तौर-तरीकों में परिवर्तन दस्तक देता रहा है। फलतः हरियाणा विधानसभा को भी समयानुकूल व्यावहारिक व आधुनिक बनाने की आवश्यकता है। हरियाणा की इस वास्तविक जरूरत का विरोध करने वाले नेताओं को वर्तमान विधान भवन में प्रदेश को इसका बनता हिस्सा दिलाने के लिए भी आगे आना चाहिए। नये विधान भवन की आवश्यकता इसके पंजाब से चले आ रहे लंबे विवादों के कारण भी बढ़ी है। हरियाणा के अस्तित्व में आने के बाद आज करीब 55 वर्ष बाद भी उसे विधान भवन की इमारत के बंटवारे के अनुसार तय हिस्सा नहीं मिला।

नयी विधानसभा का मुद्दा/ ज्ञान चंद गुप्ता

चंडीगढ़ में प्रस्तावित हरियाणा की नई विधानसभा के मसले पर पंजाब के कुछ साथियों ने असहमति या कहें कि विरोध का स्वर मुखर किया है। ज्यादातर ने इसे राजनीतिक चश्मे से देखने का प्रयास किया है। तभी उन्होंने इस मामले को चंडीगढ़ में हरियाणा के प्रांतीय वर्चस्व बढ़ाने के रूप में प्रस्तुत किया है। दरअसल, इसे विधायी व्यवस्थाओं से इतर राजनीतिक नजरिये से देखा जा रहा है। इस मामले की वास्तविकता बयानबाजी से कोसों दूर है। यह कोई राजनीतिक मसला या राजधानी की लड़ाई का मुद्दा न होकर विशुद्ध रूप से विधायी कामकाज के लिए संसाधन जुटाने का मामला है। हर कोई सहजता से सहमत होगा कि किसी भी सदन की कार्यवाही के लिए माननीय सदस्यों के लिए बैठने की व्यवस्था करना नितांत आवश्यक है। दरअसल, हरियाणा विधानसभा के सदन और सचिवालय के पास उनकी गरिमा के अनुरूप स्थान नहीं है। इसलिए यह विषय राजनीतिक न होकर लोकतंत्र के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ विधानपालिका की गरिमा और आधुनिक दौर की कार्यशैली के लिए मूलभूत ढांचे से जुड़ा है। जो ढांचा वर्तमान की जरूरतों को भी पूरा करने में असक्षम है, उससे भविष्य के लिए उम्मीद कैसे की जा सकती है? वर्ष 2026 में प्रस्तावित परिसीमन में हरियाणा में विधायकों की संख्या 126 हो सकती है। मौजूदा सदन में मात्र 90 विधायकों के लिए बैठने का स्थान उपलब्ध है। नये दौर की आवश्यकताओं और तकनीकी विकास के साथ-साथ व्यवस्थाओं को विकसित करना अनिवार्य हो चुका है। संसदीय कामकाज के तौर-तरीकों में परिवर्तन दस्तक देता रहा है। फलतः हरियाणा विधानसभा को भी समयानुकूल व्यावहारिक व आधुनिक बनाने की आवश्यकता है। हरियाणा की इस वास्तविक जरूरत का विरोध करने वाले नेताओं को वर्तमान विधान भवन में प्रदेश को इसका बनता हिस्सा दिलाने के लिए भी आगे आना चाहिए। नये विधान भवन की आवश्यकता इसके पंजाब से चले आ रहे लंबे विवादों के कारण भी बढ़ी है। हरियाणा के अस्तित्व में आने के बाद आज करीब 55 वर्ष बाद भी उसे विधान भवन की इमारत के बंटवारे के अनुसार तय हिस्सा नहीं मिला। विधानसभा सचिवालय अपना हक लेने के लिए निरंतर प्रयास करता रहा है। गत दशकों में जितने भी नए राज्य अस्तित्व में आए हैं, उन सबके नए विधान भवन बने हैं। हरियाणा के मामले में पहले ही बहुत देरी हो चुकी है। छत्तीसगढ़, झारखंड, तेलंगाना, उत्तराखंड इसके प्रमुख उदाहरण हैं। राजस्थान, गुजरात और हिमाचल प्रदेश आदि राज्यों ने आवश्यकता अनुरूप नये विधान भवन बनाए हैं। देश की राजधानी नई दिल्ली में भी नया संसद भवन बनाया जा रहा है। सभी राज्यों के विधान भवनों में ऐसा प्रावधान है कि सत्र के दौरान मंत्रियों के कार्यालय विधानसभा की इमारत में ही होते हैं। इसे हमारी अपनी इमारत में पंजाब विधानसभा वाले हिस्से में ही देखा जा सकता है। पंजाब विधानसभा के लगभग सभी मंत्रियों को सत्र के दौरान उनके कार्यालय के लिए स्वतंत्र कमरे उपलब्ध करवाए गए हैं। इसके अलावा बहुत-सी विधानसभा इमारतों में मंत्रियों के अलावा विधानसभा समितियों के चेयरपर्सन्स के कार्यालय स्थापित हैं। हरियाणा विधानसभा में मुख्यमंत्री के अलावा किसी भी मंत्री या समितियों के चेयरपर्सन्स के लिए कार्यालय नहीं है। देश की विधानसभाओं में सत्र के अलावा विधानसभा की समितियों का कार्य पूरे वर्ष चलता है। वर्तमान में हरियाणा विधानसभा समितियों की संख्या 15 है और प्रत्येक समिति की हर सप्ताह बैठक बुलाई जाती है। हरियाणा विधानसभा परिसर में मात्र 2 समिति कक्ष हैं, जहां ये समितियां तय समयसारणी के अनुसार बैठकें करती हैं। इसके चलते एक निश्चित समय सीमा में ही बैठकें संपन्न करनी पड़ती हैं। कई बार समिति अपनी बैठक की कार्यसूची में शामिल सभी कार्यों को पूरा नहीं कर पाती। देशभर की विधानसभा के सदस्यों की संख्या उनकी राज्यों की जनसंख्या के अनुसार कम या ज्यादा रहती है, लेकिन सभी विधानसभाओं की कार्यप्रणाली एक समान है। वर्तमान में हरियाणा विधानसभा सचिवालय में करीब 375 कर्मचारी सेवारत हैं, लेकिन इन सभी के बैठने के लिए पर्याप्त स्थान नहीं है। वहां सभी प्रथम श्रेणी अधिकारियों के लिए अलग-अलग कमरों का प्रावधान है। हरियाणा विधानसभा में एक कमरे में 3 से 4 शाखाओं को समायोजित किया गया है और अनेक कमरों में कैबिन्स बनाकर 7-7 प्रथम श्रेणी अधिकारियों के बैठने की व्यवस्था करनी पड़ रही है। हरियाणा और पंजाब विधानसभाओं के लिए विधान भवन एक साझा स्थान है। वर्तमान पार्किंग स्थल दोनों विधानसभाओं के कर्मचारियों के लिए पर्याप्त नहीं है। इसके साथ-साथ दोनों विधानसभाओं के विधायकों और अधिकारियों के वाहनों की पार्किंग के लिए स्थान का अभाव हो जाता है। पंजाब के प्रत्येक विधायक के साथ सुरक्षा वाहन भी आता है, जिससे समस्या बढ़ जाती है। सुरक्षा की दृष्टि से भी यह संवेदनशील मामला है। जब दोनों राज्यों में सत्र एक साथ बुलाया जाता है तो समस्या विकट हो जाती है। विधानभवन में पंजाब और हरियाणा के विधानसभा अध्यक्षों के लिए 2 प्रवेश द्वार निर्धारित हैं। इसके अलावा 5 अन्य प्रवेश द्वार हैं जो दोनों विधानसभाओं के कर्मचारियों और आमजन के लिए हैं। इन पर दोनों विधानसभाओं के कर्मचारियों के बीच किसी न किसी विषय पर आपसी समन्वय नहीं होने के कारण समस्या बनी रहती है। मांग की जाती रही है कि पंजाब विधानसभा की तर्ज पर हरियाणा विधानसभा परिसर में भी सभी पार्टियों के विधायक दलों के स्वतंत्र कार्यालयों का प्रावधान किया जाए, लेकिन स्थान का अभाव होने के कारण यह मांग पूरी नहीं की जा सकती। जब हरियाणा प्रदेश और इसकी विधानसभा का गठन हुआ था, तब मीडिया का स्वरूप इतना बड़ा नहीं था। इसलिए प्रेस गैलरी समेत अनेक व्यवस्था उस समय की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित की गई थी। अब प्रिंट मीडिया के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया ने भी समाज में विशिष्ट स्थान बनाया है। अतः नए प्रकार की व्यवस्थाएं वक्त की जरूरत बन चुकी है। हरियाणा विधानसभा डिजिटलाइजेशन की तरफ कदम दर कदम आगे बढ़ रही है। इसके लिए जिस प्रकार के संसाधन चाहिए, उसके लिए वर्तमान भवन अपर्याप्त है। अतः चंडीगढ़ में हरियाणा विधानसभा के मौजूदा भवन के अतिरिक्त एक नई बिल्डिंग बनाने की आवश्यकता है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी 9 जुलाई, 2022 को ट्वीट कर नई विधानसभा और नई हाईकोर्ट के लिए जमीन मांगी है। उनकी इस मांग को भी इसी परिप्रेक्ष्य में लिया जा सकता है। इससे पहले यहां हरियाणा और पंजाब के सिविल सचिवालयों का विस्तार कर क्रमशः सेक्टर 17 और सेक्टर 9 में नए भवन बने हैं। तब चंडीगढ़ पर किसी भी प्रदेश के अधिकार व वर्चस्व का सवाल खड़ा नहीं हुआ। दरअसल, चंडीगढ़ दोनों राज्यों की राजधानी जरूर है, इसके बावजूद एक केंद्रशासित प्रदेश के तौर पर यह अपने आप में एक अलग इकाई भी है। यह हमारे देश के संघीय ढांचे की रचना है। कुछ नेताओं ने राज्यों के मानचित्र बदलने के अधिकार की भी बात उठाई है। उन्हें यह स्पष्ट होना चाहिए कि इस प्रकार भूमि के हस्तांतरण से किसी भी प्रकार से भौगोलिक बदलाव नहीं होता। चंडीगढ़ यूटी प्रशासन की ओर से हरियाणा विधानसभा के लिए आवंटित की जाने वाली 10 एकड़ भूमि चंडीगढ़ यूटी का ही हिस्सा रहेगी।

लेखक हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध : कोयला से ऊर्जा उत्पादन बना मजबूरी

प्रमोद भार्गव

धरती पर रहने वाले जीव-जगत पर करीब दो दशक से जलवायु परिवर्तन की तलवार लटकी हुई है। मनुष्य और इसके बीच की दूरी निरंतर कम हो रही है। पर्यावरण विज्ञानियों ने बहुत पहले जान लिया था कि औद्योगिक विकास से उत्सर्जित कार्बन और शहरी विकास से घटते जंगल से वायुमंडल का तपमान बढ़ रहा है, जो पृथ्वी के लिए घातक है। इस सदी के अंत तक पृथ्वी की गर्मी 2.7 प्रतिशत बढ़ जाएगी, नतीजतन पृथ्वीवासियों को भारी तबाही का सामना करना पड़ेगा। इस मानव निर्मित वैश्विक आपदा से निपटने के लिए प्रतिवर्ष एक अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन जिसे कांफ्रेंस ऑफ पार्टीज (सीओपी) के नाम से भी जाना जाता है। इस बार सीओपी की 27वीं बैठक मिस्त्र के शर्म अल-शेख शहर में संपन्न हुई। सम्मेलन में बहुत कुछ नया नहीं हुआ। लगभग पुरानी बातें हीं दोहराई गई। पेरिस समझौते के तहत वायुमंडल का तापमान औसतन 1.5 डिग्री सेल्सियस से कम रखने के प्रयास के प्रति भागीदार देशों ने वचनबद्धता भी जताई, लेकिन वास्तव में अभी तक 56 देशों ने संयुक्त राष्ट्र के मानदंडों के अनुसार पर्यावरण सुधार की घोषणा की है। इनमें यूरोपीय संघ, अमेरिका, चीन, जापान और भारत भी शामिल है, लेकिन रूस और यूक्रेन युद्ध के चलते नहीं लगता कि कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण के लिए नवीकरणीय ऊर्जा को जो बढ़ावा दिया जा रहा है, वह स्थिर रह पाएगा। क्योंकि जिन देशों ने वचनबद्धता निभाते हुए कोयला से ऊर्जा उत्सर्जन के जो संयंत्र बंद कर दिए थे, उन्हें रूस द्वारा गैस देना बंद कर देने के कारण फिर से चालू करने की तैयारी कर रहे हैं।

2018 का ऐसा वर्ष था, जब भारत और चीन में कोयले से बिजली उत्पादन में कमी दर्ज की गई थी। नतीजतन भारत पहली बार इस वर्ष के 'जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक' में शीर्ष दस देशों में शामिल हुआ है। वहीं अमेरिका सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले देशों में शामिल हुआ था। स्पेन की राजधानी मैड्रिड में 'कॉप 25' जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में यह रिपोर्ट जारी की गई थी। रिपोर्ट के अनुसार 57 उच्च कॉर्बन उत्सर्जन वाले देशों में से 31 में उत्सर्जन का स्तर कम होने के रु झान इस रिपोर्ट में दर्ज थे। इन्हीं देशों से 90 प्रतिशत कॉर्बन का उत्सर्जन होता रहा है। इस सूचकांक ने तय किया था कि कोयले की खपत में कमी सहित कार्बन उत्सर्जन में वैश्विक बदलाव दिखाई देने लगे हैं। इस सूचकांक में चीन में भी मामूली सुधार हुआ था। नतीजतन वह तीसवें स्थान पर रहा है। जी-20 देशों में ब्रिटेन सातवें और भारत को नवीं उच्च श्रेणी हासिल हुई है, जबकि आस्ट्रेलिया 61 और सऊदी अरब 56वें क्रम पर हैं। अमेरिका खराब प्रदर्शन करने वाले देशों में इसलिए आ गया है, क्योंकि उसने जलवायु परिवर्तन की खिल्ली उड़ाते हुए इस समझौते से बाहर आने का निर्णय ले लिया था। इसलिए कॉर्बन उत्सर्जन पर उसने कोई प्रयास ही नहीं किए, परंतु रूस के यूक्रेन पर नौ माह से चले आ रहे हमले के नतीजतन ऊर्जा उत्पादन एक बार फिर से कोयले पर निर्भरता की ओर बढ़ रहा है। दुनिया की लगभग 37 प्रतिशत बिजली का निर्माण थर्मल पावरों में किया जाता है। इन संयंत्रों की भट्टी में कोयले को झोंका जाता है, तब कहीं जाकर बिजली का उत्पादन होता है। ब्रिटेन में हुई पहली औद्योगिक क्रांति में कोयले का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। नवम्बर 2021 में ग्लासगो में हुए वैश्विक सम्मेलन में तय हुआ था कि 2030 तक विकसित देश और 2040 तक विकासशील देश ऊर्जा उत्पादन में कोयले का प्रयोग बंद कर देंगे। यानी 2040 के बाद थर्मल पावर अर्थात ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले से बिजली का उत्पादन पूरी तरह बंद हो जाएगा। तब भारत-चीन ने पूरी तरह कोयले पर बिजली उत्पादन पर असहमति जताई थी, लेकिन 40 देशों ने कोयले से पल्ला झाड़ लेने का भरोसा दिया था। 20 देशों ने विश्वास जताया था कि 2022 के अंत तक कोयले से बिजली बनाने वाले संयंत्रों को बंद कर दिया जाएगा। आस्ट्रेलिया के सबसे बड़े कोयला उत्पादक व निर्यातक रियो टिंटो ने अपनी 80 प्रतिशत कोयले की खदानें बेच दीं थीं, क्योंकि भविष्य में कोयले से बिजली उत्पादन बंद होने के अनुमान लगा लिए गए थे। भारतीय व्यापारी गौतम अडानी ने इस अवसर का लाभ उठाया और अडानी ने 'आस्ट्रेलिया कोल कंपनी' बनाकर आस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड क्षेत्र में कोयला खदानें भी हासिल कर लीं। अडानी ने कारमिकेल कोयला खदान पर पर्यावरण संबंधी मंजूरी मिलने के बाद 2019 से कोयले का खनन शुरू कर इसे बेचना भी आरंभ कर दिया है। इसी साल फरवरी में जब भारत में कोयले का संकट खड़ा हुआ था, तब आस्ट्रेलिया से ही भारत की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी ने कोयला खरीदा था। दूसरी तरफ, कोयले की खपत बिजली उत्पादन के लिए बढ़ेगी तो कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ेगा। अतएव धरती के तापमान में वृद्धि भी बढ़ेगी। इन बदलते हालातों में हमें जिंदा रहना है तो जिंदगी जीने की शैली को भी बदलना होगा। हर हाल में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती करनी होगी। यदि तापमान में वृद्धि को पूर्व औद्योगिक काल के स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक तक सीमित करना है तो कार्बन उत्सर्जन में 43 प्रतिशत कमी लानी होगी। आईपीसीसी ने 1850-1900 की अवधि को पूर्व औद्योगिक वर्ष के रूप में रेखांकित किया हुआ है। इसे ही बढ़ते औसत वैश्विक तापमान की तुलना के आधार के रूप में लिया जाता है। इसी सिलसिले में जलवायु परिवर्तन से संबंधित संयुक्त राष्ट्र की अंतर-सरकारी समिति की ताजा रिपोर्ट के अनुसार सभी देश यदि जलवायु बदलाव के सिलसिले में हुई क्योटो-संधि का पालन करते हैं, तब भी वैश्विक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में 2010 के स्तर की तुलना में 2030 तक 10.6 प्रतिशत तक की वृद्धि होगी। नतीजतन तापमान भी 1.5 से ऊपर जाने की आषंका बढ़ गई है। आईपीसीसी की यह रिपोर्ट ऐसे समय आई थी, जब 6 नवम्बर 2022 से मिस्त्र के शर्म अल-शेख में जलवायु शिखर सम्मेलन शुरू होने जा रहा था, लेकिन इस सम्मेलन की सबसे बड़ी कमजोरी यह रही कि इसमें रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने और रूस द्वारा बंद कर दी गई गैस प्रदायगी को फिर से चालू करने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा पाई। तय है, बंद पड़े कोयले से चलने वाले विद्युत ताप घर शुरू हो गए तो पृथ्वी को आग का गोला बनने से रोकना मुश्किल होगा?

(चिंतन-मनन)

स्वस्थ समाज के लिए करें आत्म जागरण

पिछले कुछ समय से अध्यात्म के क्षेत्र में बाजारवाद का प्रभाव बढ़ा है। इसी वजह से अध्यात्म के क्षेत्र में भी अवमूल्यन हुआ है। अतः स्वस्थ समाज के लिए आत्म जागरण जरूरी है। जूना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद के अनुसार अध्यात्म के क्षेत्र में बाजारवाद ने प्रभाव डाला है और यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक युग है। इसमें पदार्थ की अधिक इच्छा के कारण व्यक्ति अशांत रहता है। अति योगवाद स्वच्छंद और अनियंत्रित भोगवाद के कारण स्वस्थ समाज का निर्माण नहीं हो पा रहा है। इसके लिए हर मनुष्य को अनुशासित व संस्कारित होना होगा, तभी वह समाज व सृष्टि के लिए उपयोगी होगा और व्यक्ति को संस्कारित करना ही अध्यात्म का काम है। आज मनुष्य उपभोक्ता बनकर रह गया है। जागो ग्राहक के नारे पर सिर्फ बाहर से जगाया जा रहा है, जबकि आज आवश्यकता है आत्म जागरण की। आध्यात्मिक अनुष्ठान से ही व्यक्ति के अंतर को जगाया जा सकता है। मनुष्य ने जल, वायु और पृथ्वी की निरंतर उपेक्षा से बहुत कुछ बिगाड़ दिया है। आज पीने लायक जल सिर्फ डेढ़ प्रतिशत बचा है। अगर अब भी मनुष्य नहीं जागा तो जल संकट और बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में प्राचीन धरोहरों को संरक्षित करने का काम हो रहा है, ऐसे में अत्यंत प्राचीन काल में बने रामसेतु को भी संरक्षित करना चाहिए। यह धर्म विशेष नहीं बल्कि मानव मात्र की योग्यता और क्षमता का ऐतिहासिक प्रमाण भी है। उत्तरकाण्ड एक ऐसी कथा का वर्णन है जिसमें सभी का निचोड़ है। जो व्यक्ति अपनी ज्यादा प्रशंसा सुनना पंसद करता है, वह कभी ऊंचाई नहीं छू पाता। यही अवगुण दशानन रावण में भी था। वह अपनी गलती को स्वीकार न करते हुए प्रशांसा सुनने में ज्यादा मन लगाता था। रावण को कई बार उसकी पत्नी मन्दोदरी और भाई विभीषण ने समझाया लेकिन उसे बात समझ नहीं आई। इसीलिए प्रभु श्रीराम के हाथों रावण का का नाश हुआ।

आईओएस बीटा पर वॉयस स्टेटस अपडेट पर काम कर रहा व्हाट्सएप

सैन फ्रांसिस्को। मेटा-स्वामित्व वाला मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप कथित तौर पर आगामी आईओएस अपडेट के लिए आईओएस बीटा पर वॉयस स्टेटस पर काम कर रहा है। वाबेटाइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, यह यूजर्स को उनके स्टेटस अपडेट के लिए वॉयस नोट्स शेयर करने की सुविधा देता है।रिपोर्ट के अनुसार, जब उपयोगकर्ता कोई टेक्स्ट दर्ज नहीं करते हैं तो माइक्रोफोन आइकन दिखाई देगा और यह उपयोगकर्ताओं को उनके स्टेटस अपडेट के लिए 30 सेकंड तक एक वॉइस नोट पोस्ट करने की अनुमति देगा। पिछले महीने मैसेजिंग प्लेटफॉर्म ने आईओएस बीटा पर बिजनेस टूल्स टैब रिलीज किया था। यह फीचर उपयोगकर्ताओं को व्हाट्सएप सेटिंग खोले बिना व्यवसायों के लिए उपलब्ध सभी मैसेजिंग टूल तक आसानी से पहुंचने में मदद करता है। यदि उपयोगकर्ता के खाते के लिए फीचर सक्षम है तो टूल नामक नया टैब पुराने कैमरा टैब को बदल देगा। टेस्टफ्लाइट से व्हाट्सएप बिजनेस बीटा का लेटेस्ट अपडेट इंस्टॉल करने के बाद कुछ व्यवसायों के लिए व्यवसाय टूल टैब फीचर जारी किया गया था।

सैमसंग गैलेक्सी एस23 सीरीज में हो सकता है नेक्स्ट-जेन क्वालकॉम फिंगरप्रिंट स्कैनर

सैन फ्रांसिस्को। सैमसंग की प्रमुख स्मार्टफोन सीरीज गैलेक्सी एस23 में क्वालकॉम की तीसरी पीढ़ी के अल्ट्रासोनिक फिंगरप्रिंट स्कैनर होने की संभावना है।सैममोबाइल की रिपोर्ट के अनुसार, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि इसमें वही 3डी सोनिक मैक्स सेंसर क्वालकॉम होगा जो इस साल की शुरुआत में पेश किया गया था या पूरी तरह से अलग फिंगरप्रिंट स्कैनर होगा। क्वालकॉम 3डी सोनिक मैक्स (20 मिमी एक्स 30 मिमी) स्कैनर का सरफेस एरिया गैलेक्सी एस21 अल्ट्रा और गैलेक्सी एस22 अल्ट्रा में इस्तेमाल किए गए 3डी सोनिक जेन 2 (8 मिमी एक्स 8 मिमी) स्कैनर की तुलना में लगभग 10 गुना बड़ा है। पहले, यह अफवाह थी कि गैलेक्सी एस23 सीरीज में ई6 एलटीपीओ 3.0 सुपर एमोएलईडी डिस्प्ले के साथ 2,200 निट्स पीक ब्राइटनेस, स्नैपड्रैगन 8 जेन 2 प्रोसेसर और सैटेलाइट कम्युनिकेशन के माध्यम से आपातकालीन मैसेजिंग का फीचर होगा। इस महीने की शुरुआत में, एक रिपोर्ट में उल्लेख किया गया था कि टेक दिग्गज अगले साल फरवरी की शुरुआत में अपनी गैलेक्सी एस23 सीरीज लॉन्च कर सकती है। आगामी सीरीज फरवरी के पहले सप्ताह में लॉन्च हो सकती है और बाजार में उपलब्धता की घोषणा बाद में की जाएगी। उम्मीद की जा रही है कि टेक दिग्गज अमेरिका में सैन फ्रांसिस्को में आगामी उपकरणों के लिए एक लॉन्च इवेंट की मेजबानी करेगा।

सीतारमण ने राज्यों के वित्त मंत्रियों के साथ की बैठक, आगामी बजट पर सुझाव व इनपुट लिए

नई दिल्ली: (एजेंसी)

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों के साथ एक पूर्व-बजट बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का उद्देश्य वर्ष 2023-24 के आगामी बजट के लिए इनपुट और सुझाव लेना था। यह बैठक शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में आयोजित हुई। बैठक में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और राज्य-केंद्रशासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों के अलावा केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी व भागवत कराड, केंद्रीय वित्त मंत्रालय के विभिन्न अंगों के सचिव, मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंत नागेश्वरन व अन्य मौजूद थे। बैठक के बारे में अधिक जानकारी अभी साझा नहीं की गई है। बता दें कि सीतारमण अब तक कृषि और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के विशेषज्ञों सहित कई जानकारों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व परामर्श बैठक कर चुकी हैं। सबसे पहली बैठक सोमवार को हुई थी। अगले वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए वार्षिक बजट तैयार करने की औपचारिक कवायद बीते 10 अक्टूबर से शुरू हुई। 2023-24 का बजट एक फरवरी को पेश किए जाने की संभावना है। बता दें कि यह आगामी लोकसभा चुनाव से पहले मोदी 2.0 सरकार का आखिरी पूर्ण बजट होगा। 2024 के अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव होने हैं।

अगले सप्ताह शुरू होगी ट्विटर वेरिफाइड सर्विस

नई दिल्ली। एलन मस्क ने शुक्रवार को कहा कि ट्विटर अगले सप्ताह शुक्रवार को वेरिफाइड सेवा को फिर से शुरू करेगा और सभी वेरिफाइड अकाउंट्स को चेक सक्रिय होने से पहले मैन्युअल रूप से प्रमाणित किया जाएगा।नए ट्विटर मालिक ने पहले अपनी 8 डॉलर ब्लू सब्सक्रिप्शन सेवा को वेरिफिकेशन के साथ रोक दिया था, क्योंकि उसे मंच पर अराजकता का सामना करना पड़ा था क्योंकि ब्लू बैज वाले फेक अकाउंट्स ने 8 डॉलर का भुगतान करने के बाद वास्तविक खातों का प्रतिरूपण किया था, यह कहते हुए कि वह इसे 29 नवंबर से फिर से इस बार अधिक रॉक सॉलिड लॉन्च करेगा। मस्क ने कहा, देरी के लिए क्षमा करें, हम अस्थायी रूप से अगले सप्ताह शुक्रवार को वेरिफाइड लॉन्च कर रहे हैं। मुस्क ने कहा कि सभी वेरिफाइड व्यक्तिगत मनुष्यों के पास एक ही ब्लू चेक होगा, क्योंकि जो उल्लेखनीय है उसकी सीमा अन्यथा बहुत व्यक्तिपरक है। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति ने कहा, व्यक्तियों के पास एक सैकेंडरी टिनी लोगो हो सकता है जो यह दर्शाता है कि वे संगठन से संबंधित हैं यदि उस संगठन द्वारा वेरिफाइड किया गया हो। अगले हफ्ते लंबी व्याख्या होगी। मस्क ने यह भी कहा कि हिंसा के लिए उकसाने का परिणाम खाता निलंबन होगा। आलोचनाओं का सामना करने के बाद, ट्विटर ने ब्लू सेवा बंद कर दी थी। ट्विटर पर मौजूदा वेरिफाइड खाताधारकों के लिए कुछ बुरी खबरों में, मस्क ने कहा कि सभी अनपेड लीगेसी ब्लू चेक-मार्क कुछ महीनों में हटा दिए जाएंगे। इससे पहले, रिपोर्टों में कहा गया था कि लीगेसी वेरिफाइड अकाउंट्स से 8 डॉलर का शुल्क नहीं लिया जाएगा।

वैश्विक समुदाय के आर्थिक विकास के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र अहम : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। (एजेंसी)

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र न केवल क्षेत्र के लिए बल्कि व्यापक वैश्विक समुदाय के आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण बना हुआ है।उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र को पार करने वाली सदियों पुरानी समुद्री लेन ने व्यापार को बढ़ाने में मदद की है। राजनाथ सिंह ने यह सब बातें नई दिल्ली में इंडो-पैसिफिक रीजनल डायलॉग-2022 में अपने भाषण के दौरान कही। रक्षा मंत्री ने कहा कि वैश्विक समुदाय कई प्लेटफार्मों और एजेंसियों के जरिए आर्थिक विकास की दिशा में काम कर रहा है, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद उनमें सबसे प्रमुख है। अब आवश्यकता इस बात की है कि सामूहिक सुरक्षा के प्रतिमान को साझा हितों और सभी के लिए साझा सुरक्षा के स्तर तक बढ़ाया जाए। मंत्री ने कहा, यह मेरा दृढ़ विश्वास है कि यदि सुरक्षा वास्तव में सभी की जरूरत बन जाती है, तो हम एक वैश्विक व्यवस्था बनाने के बारे में सोच सकते हैं, जो हम सभी के लिए फायदेमंद है। हम बहु-मागरिखा के विचार का भी समर्थन करते रहे हैं। हम एक बहु-मागरिखा नीति में विश्वास करते हैं, जिसे कई हितधारकों के साथ विविध जुड़ाव के माध्यम से महसूस किया जाता है, ताकि सभी के समृद्ध भविष्य के लिए सभी के विचारों और चिंताओं पर चर्चा की जा सके और उनका समाधान किया जा सके। सिंह ने कहा कि मजबूत और समृद्ध भारत का निर्माण दूसरों की कीमत पर नहीं होगा, बल्कि भारत यहां अन्य देशों को उनकी पूरी क्षमता का एहसास कराने में मदद करने के लिए है। उन्होंने कहा, हमें सभी के लिए जीत की स्थिति बनाने का प्रयास करना चाहिए। हमें संकीर्ण स्वार्थ से निर्देशित नहीं होना चाहिए, जो लंबे समय के लिए फायदेमंद नहीं है। उन्होंने कहा, एक गहरा जुड़ाव है जो हमें पूरे हिंद प्रशांत क्षेत्र में मानवता के एक आम संदेश को साझा करने की अनुमति देता है। साझा समृद्धि और सुरक्षा के इस मार्ग के साथ, भारत-प्रशांत क्षेत्र के संबंध में हमारे प्रयासों में आसियान की केंद्रीयता को रेखांकित करता है। हाल ही में जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए बाली में एकत्रित हुए विश्व के नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश को सराहा कि युद्ध का युग खत्म हो गया है, अब युद्ध का समय नहीं है। राजनाथ सिंह ने कहा कि जब मानवता जलवायु परिवर्तन, कोविड महामारी, व्यापक अभाव आदि जैसी समस्याओं का सामना कर रही है, तो ऐसे में आवश्यक है कि युद्ध और संघर्षों जैसे विनाशकारी प्रभावों पर काबू पाने के लिए मिलकर काम करें। उन्होंने कहा, मैं आपके साथ साझा करना चाहता हूं कि इस क्षेत्र में रचनात्मक संबंधों में हमारे भागीदारों के साथ काम करने का हमेशा हमारा प्रयास रहा है। हमने बैंकॉक में आयोजित पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में इंडो-पैसिफिक ओशन इनिशिएटिव लॉन्च किया है। हमने समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार की दिशा में समुद्री प्लास्टिक प्रदूषण प्रतिक्रिया पर आसियान-भारत पहल का भी प्रस्ताव दिया है, जो अधिक मानवीय दृष्टिकोण के माध्यम से प्रभावी संघर्ष समाधान और स्थायी शांति की दिशा में योगदान देगा।

विप्रो 3डी ने औद्योगिक ग्रेड मेक इन इंडिया 3डी प्रिंटर लॉन्च किया

बेंगलुरु। (एजेंसी)

विनिर्माण के भविष्य में विप्रो (NS:WIPR) की रणनीतिक पहल का एक हिस्सा, विप्रो 3डी ने शुक्रवार को अपना पहला स्वदेशी रूप से विकसित, औद्योगिक ग्रेड 3डी प्रिंटर लॉन्च किया।कंपनी ने एक बयान में कहा कि 3डी प्रिंटर को शैक्षिक संस्थानों, उद्योगों, इंजीनियरिंग और अनुसंधान एवं विकास केंद्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। विप्रो इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग (डब्ल्यूआईएन) के सीईओ प्रतीक कुमार ने कहा, पिछले 10 वर्षों में, विप्रो 3डी ने मेटल एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग में विशेषज्ञता के माध्यम से ग्राहकों की सफलता को सक्षम किया है और अब हमारे नए लॉन्च किए गए प्रिंटरों की लाइन के माध्यम से औद्योगिक ग्रेड पॉलिमर 3डी प्रिंटिंग में प्रवेश कर रहे हैं। विप्रो 3डी एफ300-2 में स्वचालित प्लेटफॉर्म लेवलिंग, मैग्नेटिक प्रिंट बेड, सेल्फ-क्लीनिंग नोजल और डुअल फिल्ट्रेशन जैसी विशेषताएं हैं ताकि उपयोगकर्ता की सुरक्षा और उच्च गुणवत्ता वाले 3डी प्रिंट सुनिश्चित किए जा सकें। यह आईओटी-सक्षम है और कंपनी के मुताबिक किसी भी कंप्यूटर या किसी स्मार्टफोन के माध्यम से इंटरनेट पर दूरस्थ निगरानी और नियंत्रण क्षमताओं की अनुमति देता है। कुमार ने कहा, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमारे सभी 3डी प्रिंटर डिजाइन और मेड इन इंडिया होंगे। 3डी प्रिंटर में कई औद्योगिक ग्रेड सामग्री को प्रिंट करने की क्षमता है। विप्रो 3डी के महाप्रबंधक और व्यापार प्रमुख यतिराज कासल ने कहा, दूरस्थ दृश्य निगरानी और महत्वपूर्ण पैरामीटर निगरानी और नियंत्रण जैसी आईओटी सक्षम सुविधाओं के माध्यम से, इंजीनियर और शोधकर्ता अपने स्मार्ट उपकरणों के माध्यम से दूरस्थ रूप से प्रिंट कार्यों का प्रबंधन कर सकते हैं। रेडिंगटन लिमिटेड के सीईओ रमेश नटराजन ने कहा कि वे देश भर में 3डी प्रिंटर के वितरण के लिए विप्रो 3डी के साथ साझेदारी को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, हम 3डी प्रिंटर के स्वदेशी डिजाइन और विकास में विप्रो 3डी के प्रवेश का समर्थन करेंगे।

एप्पल नए आईफोन के साथ 50 डॉलर की पेंसिल नहीं लाएगा

सैन फ्रांसिस्को। टेक दिग्गज एप्पल ने कथित तौर पर नए आईफोन के साथ 49 डॉलर पेंसिल लाने की अपनी योजना को रद्द कर दिया है।मैकरियूमर्स की रिपोर्ट के अनुसार, पैसे बचाने के लिए एप्पल पेंसिल में प्रेशर सेंसिंग क्षमताओं या रिचार्जेबल बैटरी की कमी थी, लेकिन इसने आईपैड या आईफोन स्क्रीन के माध्यम से स्टाइलस को पावर देने के लिए इनबिल्ट चिप का इस्तेमाल किया। अप्रकाशित एप्पल पेंसिल की कीमत 49 डॉलर होगी, जो कि पहली पीढ़ी और दूसरी पीढ़ी के मॉडल की लागत से काफी कम है, जो क्रमशः 99 डॉलर और 129 डॉलर थी। नई एप्पल पेंसिल, जिसका कोडनेम मेकर या अधिक संभावना है कि मार्कर है, उनके सितंबर 2022 के इवेंट में टेक दिग्गज द्वारा अनावरण किया जाना था। पिछले साल फरवरी में, आईपैडओएस 14.5 बीटा के साथ टेक दिग्गज ने जर्मन, फ्रेंच, स्पेनिश, इतालवी और पुर्तगाली के लिए एप्पल पेंसिल स्क्रिबल सपोर्ट का विस्तार किया था। जब स्क्रिबल पहली बार लॉन्च हुआ, तो यह केवल अंग्रेजी और चीनी भाषाओं तक ही सीमित था।

अमेरिकी उपभोक्ताओं ने इस साल घरेलू उड़ानों के लिए ऑनलाइन 11 अरब डॉलर अधिक खर्च किए

सैन फ्रांसिस्को। (एजेंसी)

अमेरिकी उपभोक्ताओं ने इस साल घरेलू उड़ानों के लिए महामारी से पहले के स्तर की तुलना में 11 अरब डॉलर अधिक ऑनलाइन खर्च किए हैं। शुक्रवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इस वर्ष अब तक घरेलू उड़ान बुकिंग ने ऑनलाइन खर्च में 76 अरब डॉलर का योगदान दिया है, जो 2019 (पूर्व-महामारी) की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक है, जहां 65 अरब डॉलर खर्च किए गए थे। एडोबी एनालिटिक्स इनसाइट्स के आंकड़ों के मुताबिक, जहां 11 अरब डॉलर का अंतर आंशिक रूप से उच्च कीमतों से प्रेरित है, वहीं 2019 की तुलना में बुकिंग में भी 5 फीसदी की वृद्धि हुई है। इसकी तुलना में, 2021 और 2020 (जनवरी-अक्टूबर) में इसी अवधि में क्रमशः 43 अरब डॉलर और 32 अरब डॉलर आए। एडोबी डिजिटल इनसाइट्स के प्रमुख विश्लेषक विवेक पंड्या ने कहा, महामारी के पहले दो वर्षों में भौतिक वस्तुओं पर रिकॉर्ड खर्च करने के बाद, हम उपभोक्ताओं को हवाई यात्रा जैसी सेवाओं की ओर अधिक महत्वपूर्ण रूप से स्थानांतरित होते हुए देखते हैं। उन्होंने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि छुट्टियों के मौसम में स्पीड बनी रहेगी, यहां तक कि कीमतें पूर्व-महामारी के स्तर से ऊपर बनी हुई हैं। एडोबी ने शीर्ष 10 अमेरिकी एयरलाइनों में से छह और 150 अरब से अधिक वेब विज़िट से सीधे उपभोक्ता लेनदेन को मापा है। घरेलू उड़ानों के लिए कीमतों में वृद्धि जारी है और अक्टूबर में कीमतों में 2019 के स्तर से 24 प्रतिशत और महीने-दर-महीने 2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। लेकिन बढ़ी हुई कीमतों के बावजूद मांग मजबूत रही। उपभोक्ताओं ने इस साल अक्टूबर में कुल 7.7 अरब डॉलर खर्च किए, जो अक्टूबर 2019 के मुकाबले 15 फीसदी अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आगमन स्थलों के आधार पर, हवाई एक शीर्ष होलिडे ट्रेवल डेस्टिनेशन है।

लावा ने लॉन्च किया जी37 चिपसेट वाला बजट फोन

नई दिल्ली। (एजेंसी)

घरेलू स्मार्टफोन ब्रांड लावा ने शुक्रवार को प्रीमियम ग्लास बैक और ऑक्टा-कोर मीडियाटेक हेलियो जी37 चिपसेट के साथ एक नया बजट-अनुकूल स्मार्टफोन लॉन्च किया।ब्लेज एनएक्सटी की कीमत 9,299 रुपये है और यह कंपनी के रिटेल नेटवर्क पर उपलब्ध है और 2 दिसंबर से अमेजन और लावा के ऑनलाइन स्टोर पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। नया डिवाइस तीन कलर्स- ग्लास ब्लू, ग्लास रेड और ग्लास ग्रीन में आता है। एनएक्सटी ऑक्टा-कोर मीडियाटेक हीलियो जी37 चिपसेट के साथ 16.55 सीएम (6.5-इंच) डिस्प्ले में आता है जिसकी क्लॉक स्पीड 2.3 गीगाहर्ट्ज तक है। यह 4 जीबी रैम भी प्रदान करता है जो 3 जीबी तक विस्तार योग्य है और 64 जीबी की इंटरनल स्टोरेज क्षमता के साथ आता है। लावा इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रोडक्ट हेड, तेजिंदर सिंह ने एक बयान में कहा, ब्लेज एनएक्सटी ग्लास बैक के साथ आता है और अगली पीढ़ी के उपभोक्ताओं की मांगों को पूरा करने के लिए सबसे उत्तम प्रवेश स्तर का स्मार्टफोन है। नया स्मार्टफोन 13 एमपी एआई ट्रिपल रियर कैमरा और सेल्फी के लिए 8 एमपी फ्रंट कैमरा से लैस है, जिसमें टाइम लैप्स, स्लो मोशन वीडियो, जीआईएफएस और डॉक्यूमेंटस की इंटेलिजेंट स्कैनिंग जैसी विशेषताएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, यह स्मूथनिंग, स्लिमिंग, व्हाइटनिंग और आई एनलार्जर जैसे ब्यूटी मोड फीचर्स प्रदान करता है।

ब्लेज एनएक्सटी को 5000 एमएएच बैटरी का सपोर्ट है और इसमें प्रीमियम ग्लास बैक और रियर फिंगरप्रिंट सेंसर है।

टेस्ला अपनी इलेक्ट्रिक कारों में डॉल्बी एटमॉस को कर सकती है एकीकृत

सैन फ्रांसिस्को। (एजेंसी)

एलन मस्क द्वारा संचालित टेस्ला (NASDAQ:TSLA) कथित तौर पर बेहतर सराउंड साउंड देने के लिए अपनी इलेक्ट्रिक कारों में डॉल्बी एटमॉस को एकीकृत करने के लिए काम कर रही है।इलेक्ट्रेक की रिपोर्ट के अनुसर, डॉल्बी लेबोरेटरीज ने डॉल्बी एटमॉस नामक सराउंड साउंड तकनीक का निर्माण किया। कंपनी के अनुसार, इसे हाइट चैनलों को जोड़कर मौजूदा सराउंड साउंड सिस्टम पर विस्तार करना, साउंड को त्रि-आयामी वस्तुओं के रूप में व्याख्या करने की अनुमति देना के रूप में वर्णित किया गया है। हालांकि इसे लगभग दस साल हो गए हैं, इसे पहले मूवी थिएटर, फिर हाई-एंड होम थिएटर में एकीकृत किया गया था और अब हाल ही में इसे कारों में बनाया जा रहा है। पिछले साल दिसंबर में, टेस्ला ने एक वार्षिक अवकाश सॉफ्टवेयर अपडेट जारी किया था जो वाहनों में स्थापित बाहरी स्पीकर का उपयोग करके अपनी इलेक्ट्रिक कारों को मेगाफोन में बदल देता है।

आप जो कुछ भी कहते हैं, उसमें यह सुविधा कुछ साउंड प्रभाव जोड़ती है और वह बाहरी वक्ताओं के माध्यम से आपके परिवेश में चलाया जाएगा। टेस्ला कारों में बाहरी स्पीकर थोड़ी देर की देरी और एक प्रतिध्वनि और बेस-हेवी एक्सटॉर्शन के साथ चालक द्वारा कही गई हर बात को दोहराते हैं।

भारत ने अंतर्राष्ट्रीय इलेक्ट्रोटेक्निकल कमीशन के उपाध्यक्ष पद किया हासिल

नई दिल्ली। (एजेंसी)

भारत ने 2023-25 के कार्यकाल के लिए इंटरनेशनल इलेक्ट्रोटेक्निकल कमीशन (आईईसी) के वाइस प्रेसीडेंसी एंड स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट बोर्ड (एसएमबी) का पद हासिल कर लिया है।हाल ही में अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में अंतर्राष्ट्रीय इलेक्ट्रोटेक्निकल कमीशन (आईईसी) के पूर्ण सदस्यों द्वारा आयोजित आम बैठक के दौरान डाले गए वोटों में से 90 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल कर भारत के प्रतिनिधि को अंतर्राष्ट्रीय इलेक्ट्रोटेक्निकल कमीशन की भारतीय राष्ट्रीय समिति और भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस-भारत) की विभिन्न तकनीकी समितियों का सदस्य चुना गया। विमल महेंद्रू भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले आईईसी उपाध्यक्ष होंगे। मानकीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन (आईएसओ) और आईईसी के नीति और शासन निकायों में बीआईएस (भारत) का प्रतिनिधित्व यह सुनिश्चित करता है कि महत्वपूर्ण रणनीतिक और नीतिगत मामलों पर भारतीय दृष्टिकोण सामने रखे गए हैं और यह अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ राष्ट्रीय मानकीकरण प्राथमिकताओं को संरेखित करने के अवसर भी प्रदान करता है। अंतर्राष्ट्रीय इलेक्ट्रोटेक्निकल कमीशन (आईईसी) एक अंतरराष्ट्रीय मानक सेटिंग निकाय है, जो सभी इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक और संबंधित तकनीकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानकों को प्रकाशित करता है। मानकीकरण प्रबंधन बोर्ड (एसएमबी) तकनीकी नीति मामलों के लिए जिम्मेदार आईईसी का एक शीर्ष शासन निकाय है।

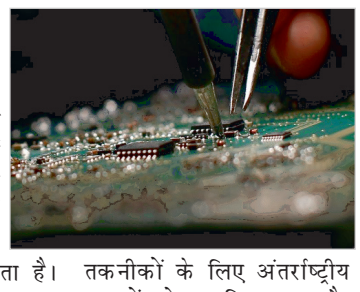

Sports

लाथम ने हमसे मैच छीन लिया: शिखर धवन

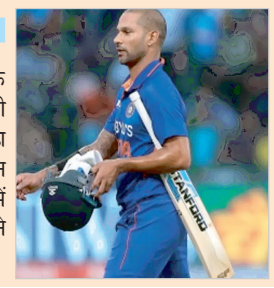

आकलैंड, भारतीय कप्तान शिखर धवन ने न्यूजीलैंड से पहला वनडे शुक्रवार को सात विकेट से हारने के बाद कहा कि टॉम लाथम के शानदार शतक ने उनसे मैच छीन लिया। शिखर ने मैच के बाद प्रेजेंटेशन में कहा, 'हमने एक अच्छा स्कोर बनाया था। लेकिन हमने आज शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंदें अधिक की जिस वजह से लाथम ने बड़े शॉट खेले। हम 40 ओवर तक गेम में बने हुए थे लेकिन एक ओवर में चार चौके आने के बाद खेल में कीवी टीम का पलड़ा भारी हो गया। भारतीय कप्तान ने कहा, 'हमें अपनी रणनीति पर काम करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि हम बल्लेबाजों को उनकी स्ट्रेंथ पर न खेलने दें। यह एक युवा टीम है और मुझे अपनी टीम पर गर्व है। न्यूजीलैंड 307 के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.5 ओवर में 88/3 के स्कोर पर संकट में नजर आ रहा था लेकिन लाथम ने 104 गेंदों पर 19 चौके और पांच छक्के उड़ाते हुए नाबाद 145 रन ठोके और न्यूजीलैंड को जीत दिला दी। लाथम ने पारी के 40वें ओवर में शार्दुल ठाकुर की गेंदों पर एक छक्का और चार लगातार चौके मारे। इस ओवर में आये 25 रनों ने मैच का रुख बदल दिया।

फीफा वर्ल्ड कप : मेक्सिको के खिलाफ दबाव में होंगे मेस्सी और अर्जेंटीना

दोहा ।

सऊदी अरब से फीफा विश्व कप के शुरूआती मैच में मिली 1-2 की शर्मनाक हार के बाद लियोनल मेस्सी और अर्जेंटीना का काफी मजाक बनाया जा रहा है जिससे टीम शनिवार को मेक्सिको के खिलाफ होने मुकाबले में वापसी करने के लिये काफी दबाव में होगी। पहले ही मैच में मिली हार से अर्जेंटीना के टूर्नामेंट में बने रहने पर खतरा मंडरा रहा है और अगर उसे अपनी उम्मीदों को बरकरार रखना है तो मेक्सिको के खिलाफ तुरंत वापसी करनी ही होगी। वर्ना उसे शर्मसार होकर टूर्नामेंट से बाहर होना होगा। दोहा में 'फैन पार्क' और सड़कों पर सऊदी अरबी में कह रहे हैं, 'मेस्सी कहां हैं, हमने उसकी आंख फोड़ दी।' जिसका स्थानीय भाषा में अर्थ है 'किसी आदमी को शर्मसार करना'। मेस्सी ने कहा, 'हमने हमेशा कहा है कि हम प्रत्येक मैच में जीतने की कोशिश करेंगे। और अब तो यह पहले से कहीं अधिक होगी।' अर्जेंटीना के पूर्व खिलाड़ी और पूर्व कोच गेराडो मार्टिनो अब मेक्सिको के कोच हैं और वे प्रतिद्वंद्वी टीम को करारा झटका देने के लिए रणनीति तैयार कर रहे हैं। मार्टिनो ने 2014 से 2016 तक अपने

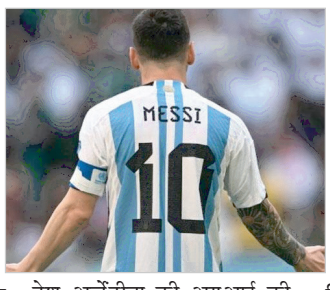

देश अर्जेंटीना की अगुआई की, उन्हें लगातार कोपा अमेरिका के फाइनल में हार मिली जिसके बाद उन्होंने पद छोड़ दिया। अब वह कोच के तौर पर मेक्सिको को अंतिम 16 में पहुंचाने की कोशिश में जुटे हैं जिसके लिये वह अर्जेंटीना के खिलाफ कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे। मेक्सिको पिछले सात विश्व कप में से प्रत्येक में नॉकआउट चरण का अपना पहला मैच गंवाता रहा है जिसमें से 2006 और 2010 में दो बार उसे अर्जेंटीना से हार मिली है। पर इस बार दोनों टीमों की भिड़ंत ग्रुप चरण में हो रही है लेकिन टूर्नामेंट में अभी सात ही दिन हुए हैं और यह मुकाबला 'करो या मरो' का महसूस हो रहा है। और ऐसा विशेषकर अर्जेंटीना के लिए है। मार्टिनो ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि उनके (सऊदी अरब के खिलाफ) परिणाम से उनके खेलने के तरीके में बदलाव होगा।' मेक्सिको ने ग्रुप सी में अपने पहले मैच में पोलैंड से 1-1 से ड्रा खेला था। अर्जेंटीना को निश्चित रूप से अपने खेलने के तरीके में कुछ बदलाव करना होगा। अर्जेंटीना के कोच के तौर पर लियोनेल स्कालोनी का यह पहला संकट होगा क्योंकि उन्हें मंगलवार को सऊदी अरब से मिली हार से पहले एक भी मैच में हार का सामना नहीं करना पड़ा था। यह देखना होगा कि वह किस तरह से प्रतिक्रिया करते हैं। क्या वह पिछले मैच में खेलने उतरे उन्हीं खिलाड़ियों को सुधार करने का मौका देंगे? या क्या उन्हें शुरूआती मैच में अपने लाइन अप में कुछ बदलाव की जरूरत होगी?

लाथम और विलियम्सन की शानदार बल्लेबाजी से न्यूजीलैंड ने भारत को सात विकेट से हराया

आकलैंड,

तीन मैचों की सीरीज के पहले वनडे मुकाबले में ईडन पार्क में शुक्रवार को न्यूजीलैंड ने भारत को सात विकेट से हराया। टॉम लाथम ने अपना सातवां वनडे शतक लगाकर दिखाया कि वह एक भरोसेमंद मध्य क्रम के बल्लेबाज क्यों श्रेयस अय्यर ने 76 गेंदों में 80 रन बनाए, जबकि कप्तान शिखर धवन और शुभमन गिल ने इस साल सलामी जोड़ी के रूप में अपने चौथी शतकीय साझेदारी में क्रमशः 72 और 50 रन बनाकर भारत को 306/7 के चुनौतीपूर्ण स्कोर के लिए प्रेरित किया। एक समय पर न्यूजीलैंड 19.5 ओवर में 88/3 पर मुसीबत में था। लेकिन लाथम ने मैच को भारत से दूर कर दिया। पूरे पार्क में एक अनुभवहीन गेंदबाजी आक्रमण पर हमला करके 104 गेंदों में 145 के करियर के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ नाबाद रहे, जिसमें 19 चौके और पांच छक्के शामिल थे। उन्होंने कप्तान केन विलियमसन के साथ 165 गेंदों पर नाबाद 221 रनों की नाबाद साझेदारी की, जो सही सहयोगी थे और 17 गेंद शेष रहते लक्ष्य का पीछा करने के लिए नाबाद 94 रन बनाकर नाबाद रहे। उमरान मलिक ने वनडे डेब्यू पर अपने दो विकेट से न्यूजीलैंड को परेशान किया, जबकि वाशिंगटन सुंदर ने 16 गेंदों पर नाबाद 37 रन बनाकर, गेंदबाजी में 0/42 के अपने स्पेल में किफायती प्रदर्शन किया। बाएं हाथ के नए तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह सहित बाकी गेंदबाजों ने निराशाजनक प्रदर्शन किया। 307 रनों का पीछा करते हुए, फिन एलन और डेवोन कॉनवे ने पहले पांच ओवरों में पांच चौके लगाए। शार्दुल ठाकुर की गेंद पर शार्ट मिड विकेट पर युजवेंद्र चहल ने एलन को आउट किया। लेकिन आठवें ओवर की तीसरी गेंद पर तेज गेंदबाज ने एलन (22) को चलता किया।

फीफा वर्ल्ड कप : ब्राजील के स्टार स्ट्राइकर नेमार चोटिल, चिकित्सक ने हेल्थ पर दिया अपडेट

लुसैल (कतर) : ब्राजील ने फीफा विश्व कप में सर्बिया के खिलाफ 2-0 की जीत के साथ अपने अभियान को शुरू की लेकिन इस मुकाबले में उसके स्टार स्ट्राइकर नेमार चोटिल हो गए है। अब अगले मैच के लिए उनके फिट होने की उम्मीद की जा रही है। ब्राजील टीम के चिकित्सक रोड्रिगो लैसमर ने कहा कि नेमार के दाहिने टखने में मोच आ गई है। उन्होंने हालांकि इस बारे में कुछ नहीं बताया कि वह सोमवार को स्विट्जरलैंड के खिलाफ टीम के अगले मैच में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे या नहीं। उन्होंने कहा, 'डगआउट में बेंच पर और फिर फिजियोथेरेपी के दौरान हमने उसके दर्द वाले हिस्से पर बर्फ का इस्तेमाल किया है। अभी चोट की गंभीरता के बारे में पता नहीं है। वह निगरानी में रहेगा।' गौर हो कि नेमार 2014 विश्व कप में भी चोटिल हुए थे। ब्राजील में खेले गए इस विश्व कप में कोलंबिया के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में पीठ की चोट दर्द के कारण वह टूर्नामेंट से बाहर हुए थे। इसके बाद ब्राजील को सेमीफाइनल में जर्मनी ने 7-1 से हराया था।

विश्व कप से पहले भारतीय हॉकी टीम के सामने ऑस्ट्रेलिया की चुनौती

एडीलेड।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम शनिवार को यहां जब दुनिया की नंबर एक टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले में मैदान में उतरेगी तो विश्व कप से पहले अपनी ताकत और कमजोरी का आकलन करने का उसके पास शानदार मौका होगा। हॉकी की दुनिया में लंबे समय से अपना दबदबा कायम करने वाली ऑस्ट्रेलिया को चुनौती देना भारत के लिए हमेशा से मुश्किल रहा है। बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में भारत को ऑस्ट्रेलिया से 0-7 से शिकस्त का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद पहली बार दोनों टीमें एक-दूसरे के खिलाफ मैदान में उतरेंगी। विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज भारतीय टीम इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार नहीं होगी लेकिन तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद टीम ने कुछ मैचों को छोड़कर लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। ऑस्ट्रेलिया आने से पहले भारतीय टीम ने भुवनेश्वर में एफआईएच प्रो लीग में न्यूजीलैंड के खिलाफ दो जीत और स्पेन के खिलाफ एक जीत और एक हार का सामना किया है। स्पेन और न्यूजीलैंड दोनों रैंकिंग में भारत से नीचे क्रमशः आठवें और नौवें स्थान पर है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया का उसके घरेलू मैदान में सामना करना भारतीय टीम के लिए पूरी तरह से अलग चुनौती होगी। भारतीय कोच रीड ने इस श्रृंखला के बारे में कहा, 'विश्व कप की तैयारी के लिए ऑस्ट्रेलिया से बेहतर कोई और जगह नहीं हो सकती है।' उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के खेलने का तरीके को भारत में पसंद किया जाता है। इस श्रृंखला की सबसे अच्छी बात यह है कि दोनों टीमों को एक-दूसरे के अलग-अलग कौशल के बारे में सीखने को मिलेगा।' विश्व कप शुरु होने में 50 से भी कम दिन बचे है और भारतीय कप्तान ने कहा, 'यह श्रृंखला हमारे लिए काफी अहम है। जब आप विश्व कप जैसे बड़े आयोजन की तैयारी कर रहे होते हैं, तो सर्वश्रेष्ठ टीम के

खिलाफ खेलना हमेशा अच्छा होता है। हाल ही में एफआईएच साल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब जीतने वाले इस ड्रैग फ्लिकर को उम्मीद है ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले प्रवासी भारतीय टीम की हौसला अफजाई के लिए मैदान में मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा, 'कई वर्षों के अंतराल के बाद ऑस्ट्रेलिया आना शानदार है। कोविड-19 के कारण हम लंबे समय तक यात्रा नहीं कर सके थे।

संक्षिप्त समाचार

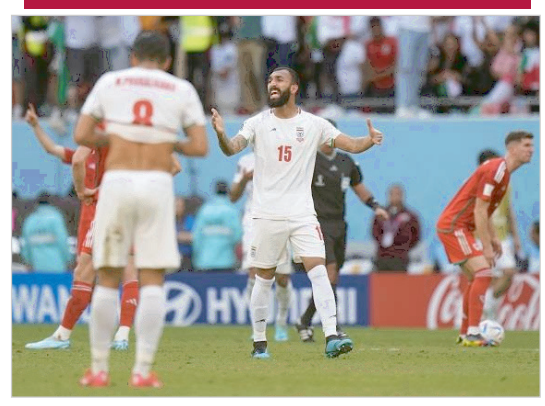

FIFA 2022 : आखिरी मिनटों में ईरान ने किए 2 गोल, वेल्स को मिली हार

अल रेयान (कतर) : राउजबेह चेश्मी ने स्टॉपेज टाइम के आठवें मिनट में गोल करके ईरान को विश्व कप फुटबॉल में शुक्रवार को वेल्स पर 2-0 से जीत दिलाई । चेश्मी के शॉट को वेल्स के बैकअप गोलकीपर डैनी वार्ड डाइव लगाकर भी नहीं बचा सके । नियमित गोलकीपर वेन हेनेसी को 86वें मिनट में बाहर किये जाने पर डैनी गोलकीपिंग कर रहे थे । रामिन रजाइयां ने कुछ पल बाद ही दूसरा गोल दागा । इस जीत के साथ ही ईरान के तीन अंक हो गए हैं। वहीं, वेल्स के दो मैच में एक ही अंक हैं। वेल्स के लिये जेरेथ बेल का यह 110वां मैच था जो राष्ट्रीय टीम के लिये सर्वाधिक मैच खेलने वाले खिलाड़ी बने । पहले मैच में वेल्स को अमेरिका ने 1 . 1 से ड्रॉ पर रोका था । मैच से पहले स्टेडियम के बाहर सरकार के समर्थक प्रशंसकों ने सरकार विरोधी फुटबॉल प्रेमियों को परेशान किया ।

लाथम की पारी पर विलियमसन ने कहा, यह सबसे खास वनडे पारियों में से एक

ऑकलैंड : न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने कहा कि विकेटकीपर-बल्लेबाज टॉम लाथम को भारत के अनुभवहीन गेंदबाजी आक्रमण पर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ स्कोर 145 नॉटआउट के साथ हावी होते हुए देखकर चकित हैं, यह सबसे खास वनडे पारियों में से एक है जिसे मैंने देखा है। ईडन पार्क में 307 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की टीम 19.5 ओवर में 88/3 के स्कोर पर संघर्ष कर रही थी। लेकिन बाएं हाथ के बल्लेबाज लाथम भारत से जीत छीन ले गए। उन्होंने पूरे पार्क में अनुभवहीन गेंदबाजी आक्रमण को शॉट्स लगाए और 104 गेंदों पर 145 रन के करियर के सर्वश्रेष्ठ स्कोर पर नाबाद रहे, जिसमें 19 चौके और पांच छक्के लगे। विलियमसन ने मैच के बाद कहा, %टॉम लाथम की अविश्वसनीय पारी, बिल्कुल आग। हम बीच में इस ओवर और उस ओवर के बारे में बात कर रहे थे। और फिर उसने बस एक स्विच फ्लिक किया। यह सबसे खास एकदिवसीय पारियों में से एक थी जिसे मैंने देखा है और उसे देखने के लिए दूसरे छोर पर होना अच्छा था। लेथम के साथ कप्तान विलियमसन ने भी पूरा योगदान दिया और 165 गेंदों पर नाबाद 221 रनों की साझेदारी में नाबाद 94 रन बनाकर नाबाद लौटे। न्यूजीलैंड के कप्तान ने कहा, 'यह एक या दो ओवर था जहां उसने एक स्विच फ्लिक किया। हमें वह बड़ा ओवर (40वां ओवर) मिला और वह बस चलता रहा। ऐसे क्षण थे जब हमने उन्हें दबाव में रखा। योगदान देना अच्छा था। दूसरे छोर पर होना और इसे देखना बेहद खास है। गेंद के साथ टिम साउदी और लॉकी फर्ग्यूसन ने तीन-तीन विकेट लिए जबकि एडम मिल्ने के नाम पर एक विकेट था, क्योंकि भारत ने पहली पारी में 306/7 का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया था। विलियमसन ने कहा, आधे चरण में यह एक प्रतिस्पर्धी कुल था। विकेट थोड़ा टर्न लेना शुरू कर रहा था। और क्रॉस-सीमर इससे थोड़ा बाहर हो गए। लेकिन अगर आप यहां ईडन पार्क में साझेदारी बनाते हैं, तो आप किसी भी लक्ष्य का पीछा कर सकते हैं।

वनडे में फेल साबित हो रहे सूर्यकुमार यादव

आखिरी 7 मैचों में बने सिर्फ इतने रन

स्पोर्ट्स डेस्क ।

अंतरराष्ट्रीय टी20 रैंकिंग में पहले स्थान पर काबिज विस्फोटक भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव फिलहाल वनडे फॉर्मेट में फेल साबित हो रहे हैं। भारत जब न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला वनडे खेलने के लिए उतरा था तो उनसे वैसे ही प्रदर्शन की उम्मीद थी जो उन्होंने टी20आई मैचों में दिखाया था। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के दूसरे मैच में उन्होंने नाबाद 111 रन बनाकर टीम को जीत भी दिलाई थी, लेकिन जब वनडे सीरीज में रंग दिखाने की बाद आई तो वह पहले मैच में 3 गेंदों में सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गए। सूर्यकुमार तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्युसन का शिकार हुए। सूर्यकुमार के आखिरी 7 वनडे पारियों पर नजर डालें तो आंकड़े उनके प्रदर्शन के हिसाब से बिल्कुल भी मेल नहीं खाते। वैसे तो वह 13 पारियों में 31 की औसत से 344 रन बना चुके हैं, जिसमें 2 अर्धशतक भी शामिल हैं, लेकिन अंतिम 7 पारियों में वह 50 तो क्या 30 का आंकड़ा भी नहीं छू पा रहे। सूर्यकुमार ने आखिरी 7 पारियों में 6, 27, 16, 13, 9, 8 और 4 रन ही बनाए हैं। यानी कि उनके बल्ले से 7 पारियों में कुल 79 रन निकले।

नजरिया बदलना होगा

अगर सूर्यकुमार को वनडे में

बड़ी पारियां खेलनी हैं तो उन्हें नजरिया बदलना होगा। हालांकि, सूर्यकुमार पहली गेंद से ही अटैकिंग खेल खेलना पसंद करते हैं, उनका यह भरोसा टी20आई में सही भी उतरता है। लेकिन उन्हें 50 ओवर के प्रारूप में समय व पारी की स्थिति के हिसाब से खुद को ढालना होगा। सूर्यकुमार को ना सिर्फ धैर्य बल्कि शुरूआती समय में गेंदबाजों को परखने का समय लेना होगा ताकि पिच का मिजाज समझकर धीरे-धीरे पारी को आगे बढ़ाया जाए।

ट्यूनीशिया का ऑस्ट्रेलिया से होगा सामना, अहम होगा अरब देशों के प्रशंसकों का समर्थन

दोहा । डेनमार्क को गोलरहित ड्रा पर रोकने के बाद आत्मविश्वास से भरी ट्यूनीशियाई टीम शनिवार को यहां फीफा विश्व कप ग्रुप डी के दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया के सामने होगी जिसमें उसे दर्शकों से घर जैसा समर्थन मिलेगा। विश्व कप में जगह बनाने वाली अरब देशों की चार टीमों में से एक ट्यूनीशिया ने यूरोपीय चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली डेनमार्क को ड्रा पर रोकने के बाद प्रशंसकों को अपना मुरीद बना लिया। उसके समर्थक सिर्फ ट्यूनीशिया के ही नहीं हैं बल्कि फलस्तीन का झंडा लेने वाले प्रशंसक भी उसकी जीत की उम्मीद कर रहे हैं। मिस्र और अल्जीरिया टीम के समर्थक भी उसकी जीत की दुआ कर रहे हैं। कोच जलेल कादरी ने कहा, ''दोहा में ट्यूनीशिया के और अन्य प्रशंसकों के समर्थन से हमारा मनोबल बढ़ेगा।'' ऑस्ट्रेलिया को ग्रुप डी में अपने शुरूआती मैच में गत चैम्पियन फ्रांस से 1-4 से शिकस्त झेलनी पड़ी। ऑस्ट्रेलियाई मिडफील्डर जैक्सन इर्विन ने कहा, ''हमने फ्रांस के खिलाफ मैच से सबक सीखा, जिसमें हमने दूर से तीन गोल गंवाये। '' फ्रांस तीन अंक लेकर ग्रुप में शीर्ष पर है जबकि ट्यूनीशिया और डेनमार्क के एक एक अंक हैं। आस्ट्रेलिया का खाता नहीं खुला है। ट्यूनीशिया की निगाहें अपने छठे विश्व कप में पहली बार ग्रुप चरण से आगे बढ़ने पर लगी हैं। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम पांच बार विश्व कप में खेली है और एक बार 2006 में ही अंतिम 16 में पहुंची थी। एपी

रोनाल्डो के रिकॉर्ड गोल के बाद घाना के कोच ने अमरीकी रैफरी की आलोचना की

दोहा । घाना के कोच ओटो एडो ने पेनल्टी देने के लिए अमरीकी रैफरी की आलोचना की जिस पर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने विश्व कप में रिकॉर्ड गोल दागकर पुर्तगाल को 3-2 से जीत दिलाई। एडो ने इस पेनल्टी को 'एक विशेष तोहफा' करार दिया। रोनाल्डो ने गुरुवार को मैच के दूसरे हाफ में पेनल्टी हासिल कर इसे गोल में तब्दील किया जिससे वह पांच विश्व कप में गोल करने वाले पहले पुरूष खिलाड़ी बन गये। एडो ने कहा, 'अगर कोई एक गोल करता है तो उसे बधाई। लेकिन यह तो वास्तव में एक तोहफा ही था। वास्तव में एक भेंट।' उन्होंने कहा, 'मैं और क्या कह सकता हूं? यह विशेष तोहफा रैफरी की ओर से था।' एडो ने बिना किसी इशारे के सीधे ही अमरीकी रैफरी इस्माइल एलफाथ की आलोचना की जिससे वह फीफा द्वारा मुश्किल में पड़ सकते हैं। जब उनसे घाना की करीबी हार के बारे में पूछा गया तो उनका जवाब था, 'रैफरी।' उन्हें लगता है कि घाना के डिफेंडर मोहम्मद सालिसू ने 'फाउल' नहीं किया था और उन्होंने यह भी शिकायत की कि मैच अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने के लिए 'वीएआर' का भी इस्तेमाल नहीं किया। ऐसा लग रहा था कि सालिसू की जांघ का रोनाल्डो के पैर से हल्का सा संपर्क हुआ था जिसके बाद पुर्तगाल का कप्तान मैदान पर गिरकर लेट गया था। एडो ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह सचमुच गलत फैसला था।'

स्कोर तो शानदार था, कुछ चीजें आज हमारे अनुसार नहीं रहीं : अय्यर

ऑकलैंड ।

भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने स्वीकार किया कि न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरूआती वनडे में बतौर टीम कुछ चीजें उनके पक्ष में नहीं रहीं और उनपर फिर से चर्चा करके सीरीज के बचे हुए दो मैचों में मजबूत वापसी की जरूरत है। साथ ही उन्होंने कहा कि स्कोर सही था, लेकिन कुछ चीजें उनके पक्ष में नहीं रहीं। टॉम लैथम के नाबाद 145 रन और कप्तान केन विलियमसन के नाबाद 94 रन की मदद से न्यूजीलैंड ने 17 गेंद रहते भारत का 307 रन का लक्ष्य हासिल करके सात विकेट से जीत दर्ज की। अय्यर ने 76 गेंद में 80 रन की पारी खेली थी, उन्होंने कहा कि भारत द्वारा बनाया गया सात विकेट पर 306 रन का स्कोर अच्छा था लेकिन लाथम और विलियमसन के बीच चौथे विकेट के लिये 221 रन की साझेदारी से मेजबान टीम ने जीत हासिल कर ली। मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में अय्यर ने कहा, ''हम जिस स्थिति में थे और जहां से हम 307 रन तक पहुंचे थे, उसे देखते हुए यह शानदार स्कोर था। निश्चित रूप से कुछ चीजें आज हमारे अनुसार नहीं रहीं लेकिन यह सीखने की प्रक्रिया है, हम आत्ममंथन कर सकते हैं और अगले मैच में नई रणनीति से वापसी कर सकते हैं। ''दायें हाथ के बल्लेबाज ने कहा कि भारत इस हार से निराश होकर नहीं बैठ सकता और टीम सकारात्मक रवैये से अगले दो मैचों में खेलने उतरेगी। उन्होंने कहा, ''भारत से आकर सीधे यहां खेलना आसान नहीं है। हर जगह पर विकेट बदलता रहता है और आपको इसी चुनौती का सामना करना होता है। आपको मानसिक रूप से मजबूत होना होगा, बस परिस्थितियों के अनुकूल ढलना होगा। '' अय्यर ने लाथम और विलियमसन की पारी की प्रशंसा करते हुए कहा, ''दोनों ने शानदार पारियां खेलीं। वे जानते थे कि किस विशेष समय पर किस गेंदबाज को निशाना बनाना है। मेरा मानना है कि उनकी भागीदारी ने मैच का रूख पूरी तरह से बदल दिया और हमारे लिये विकेट झटकने के लिये वही महत्वपूर्ण चरण था।'' उन्होंने कहा, ''अगर हमने एक विकेट ले लिया होता तो

हम हावी हो सकते थे और हालत पूरी तरह से बदले हुए हो सकते थे। लेकिन उन्होंने लूज गेंदों को चौकों और छक्कों में तब्दील कर दिया। वे काफी निर्भीक होकर खेल रहे थे जिससे उन्हें मदद मिली। ''

युवा विश्व चैंपियनशिप : सात भारतीय मुक्केबाजों ने फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली । भारतीय मुक्केबाजों का स्पेन के ला नूसिया में चल रही युवा पुरुष और महिला विश्व चैंपियनशिप में दबदबा बरकरार रहा जब सात मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई। युवा एशियाई चैंपियन वंशज और विश्वनाथ सुरेश ने आशीष के साथ मिलकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। भारत के तीनों पुरुष मुक्केबाज इस तरह सेमीफाइनल में जीत दर्ज करने में सफल रहे। महिला वर्ग में कीर्ति (81 किग्रा से अधिक), भावना शर्मा (48 किग्रा), देविका घोरपड़े (52 किग्रा) और रवीना (63 किग्रा) ने फाइनल में प्रवेश किया। विश्वनाथ ने पुएर्तो रिको के जुआनमा लोपेज को 4-1 से हराया जबकि वंशज (63.5 किग्रा) और आशीष (54 किग्रा) ने क्रमशः अमरीका में डिशॉन क्रोकलेम और उज्बेकिस्तान के खुजानाजर नोरतोजीव को रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबलों में 3-2 और 4-3 से शिकस्त दी। दूसरी तरफ कीर्ति को छोड़कर अन्य महिला मुक्केबाजों ने आसान जीत दर्ज की। कीर्ति ने कजाखस्तान की आसेल टोकटासिन को 3-2 से शिकस्त दी। रवीना और भावना ने कजाखस्तान की अपनी प्रतिद्वंद्वियों क्रमशः आसेम तनातर और गुलनाज बुरिबायेवा को सर्वसम्मत फैसले में हराया। देविका ने अमेरिका की आमेदाह को 4-1 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। चार भारतीय महिला मुक्केबाजों तमन्ना (50 किग्रा), कुंजरानी देवी थोनगम (60 किग्रा), मुस्कान (75 किग्रा) और लाशु यादव (70 किग्रा) को हालांकि सेमीफाइनल में शिकस्त के साथ कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन के तरीकों की सफलता मुख्यतया हानिकारक कीट एवं मित्र कीटों की निगरानी के आधार पर कीट प्रबंधन के विभिन्न घटकों के एकीकरण कर सही निर्णय को लागू करने के ऊपर निर्भर है।

सब्जी उत्पादन में समन्वित कीट प्रबंधन

फसल चक्र अपनाकर कीट नियंत्रण

किसी भी खेत में सब्जियों को लगाते समय उचित फसल-चक्र अपनाना चाहिए जिससे एक ही कुल की सब्जी को पुनः नहीं लगाना चाहिए। इस विधि से निरन्तर जीवन चक्र , अपेक्षाकृत संख्या एवं क्षति स्तर कम किया जा सकता है।

बुवाई व पौध रोपण के समय में परिवर्तन करके- कीटों के प्रति फसल की मुलायम अवस्था को ध्यान में रखकर फसल की बुवाई तथा रोपाई के समय में परिवर्तन करके अधिक हानि से बचाया जा सकता है। सब्जियों की बुवाई व रोपाई के समय में परिवर्तन कर लाल भृंग कीट, फल मक्खी, तना एवं फल छेदक कीट के प्रकोप को कम किया जा सकता है। पौधों की बुवाई व रोपाई ऐसे समय में करना चाहिए, जब पौधों की नाजुक अवस्थाएं एवं हानिकारक कीटों की निष्क्रिय अवस्थाएं समानान्तर हों।

सस्य क्रियाओं द्वारा कीट प्रबंधन

कीट प्रबंधन में इस घटक के ऊपर कोई अतिरिक्त खर्च नहीं होता है, साथ ही यह पर्यावरण को सुरक्षित व अधिक टिकाऊ बनाता है। सस्य क्रियाओं का चयन ऐसा होना चाहिए जिससे नाशीकीटों के ऊपर एकीकृत एवं मित्र कीटों के ऊपर अनुकूल प्रभाव पड़े। इसके अन्तर्गत उचित किस्मों का चयन, बुवाई एवं रोपाई के समय में परिवर्तन, कीट-प्रपंच, फसल चक्र एवं अंतः फसलों का सही चुनाव आदि शामिल है।

अवरोधी एवं सहनशील किस्मों का उपयोग

किसी क्षेत्र के नाशीकीट एवं मित्र कीटों की विविधता एवं सघनता के आधार पर अवरोधी या सहनशील किस्मों का चुनाव समन्वित कीट प्रबंधन की महत्वपूर्ण कड़ी है। इस प्रकार चयनित किस्मों में अपेक्षाकृत कीटों का प्रकोप कम होता है तथा रासायनिक दवाओं के उपयोग में भी कमी आती है। यह विधि सबसे सरल, सस्ती व दुष्प्रभाव रहित है।

ग्रीष्मकालीन जुताई

गर्मी के मौसम में गहरी जुताई करके सुषुप्ता अवस्था में पड़े कीड़ों को नष्ट करना एक प्रभावी नियंत्रण विधि है। फसल की कटाई के बाद खेत की गहरी जुताई करके फल मक्खी, कद्दू का लाल भृंग तथा कटुआ कीट के जीवन चक्र को नष्ट कर उनकी सक्रियता को कम किया जा सकता है।

अन्तः फसलीकरण

सब्जियों की फसल के बीच में अन्तः फसलीकरण की क्रिया के द्वारा भी कीटों के प्रकोप को कम किया जा सकता है। अन्तः फसलीकरण में लगाए गए भिन्न-भिन्न प्रकृति के पौधों द्वारा छोड़े जाने वाले जैव रसायन से कीटों के प्रौढ़ दूर भागते हैं तथा उनके द्वारा अण्डा देने की क्रिया भी कम हो जाती है। इस प्रकार के पौध रोपण प्रक्रिया से परभक्षी एवं परजीवी कीटों की क्रियाशीलता को बढ़ाती है। टमाटर एवं गोभी की अन्तः फसलीकरण से इन दोनों सब्जियों में कीट अकेले की अपेक्षा कम लगते हैं।

कीटों को आकर्षित करने वाली फसलों का उपयोग

मुख्य फसल के साथ ऐसी फसलों को लगाना चाहिए, जिनको कीट मुख्य फसल की अपेक्षा अधिक पसंद करते हैं। आकर्षित करने वाली फसलों को मुख्य फसल में लगाकर बिना किसी रसायन के प्रयोग से मुख्य फसल को आसानी से कम लागत में उगाया जा सकता है। क्योंकि मुख्य फसल पर लगने वाले कीड़े आकर्षक फसलों पर आ जाते हैं, जिनको आसानी से नष्ट किया जा सकता है। गोभीवर्गीय फसलों को हरी सूड़ी एवं पर्ण जालक कीट के नियंत्रण के लिए सरसों का तथा टमाटर में लगने वाली फल छेदक कीट के रोकथाम के लिए गेंदे के फसल को आकर्षक फसल के रूप में प्रयोग करना चाहिए।

सब्जी में जैविक विधि से कीट नियंत्रण

समन्वित कीट प्रबंधन में जैविक नियंत्रण एक प्रमुख घटक है। किसी भी परिस्थिति में मित्र कीट एवं अन्य सूक्ष्म जीव मुख्यतया हानिकारक कीटों की संख्या को प्राकृतिक रूप से सीमित रखने में सहायता करते हैं। जैविक नियंत्रण से इन्हीं कारकों का प्रभावी ढंग से समन्वित कीट प्रबंधन में प्रयोग होता है, तथा मित्र कीटों को सुरक्षित रखने का प्रयास किया जाता है। बहुत सारे परभक्षी व परजीवी कीट प्राकृतिक दशा में मित्र कीट के रूप में पाये जाते हैं, जो हानिकारक कीटों के विभिन्न अवस्थाओं को क्षति पहुंचाते हैं। एक हेक्टेयर टमाटर की फसल को फलछेदक कीट से रोकथाम के लिए 2,50,000 ट्राइकोग्रामा परजीवी कीट का प्रयोग किया जाता है। इसी प्रकार क्राइसोपरला कारनिया नामक परभक्षी कीट को 50,000 प्रति हेक्टेयर की दर से दस दिन के अन्तराल पर तीन बार छोड़ने से सफेद मक्खी, हरा फुदका, माहू आदि से फसल को सुरक्षित रखा जा सकता है। कीटों के प्राकृतिक षत्रु को प्रयोगशाला में अधिक संख्या में उत्पादन कर, उसे सफलतापूर्वक, आवष्यकतानुसार फसलों पर छोड़कर विषैले रसायनों के उपयोग में कमी लायी जा सकती है।

व्यवहारिक नियंत्रण

इस विधि के अन्तर्गत प्रौढ़ कीटों को फेरोमोन का प्रयोग कर भ्रमित किया जाता है। सब्जियों में मुख्य रूप से बैगन का तना व फल बेधक, तम्बाकू की सूंड़ी, टमाटर का फ्ल बेधक एवं फल मक्खी को फेरोमोन द्वारा आकृष्ट कर नियंत्रण किया जा सकता है।

सूक्ष्म जीव द्वारा फसलों की सुरक्षा

सूक्ष्म जीव कीटनाशियों के अन्तर्गत जीवाणु, कवक और विषाणु का प्रयोग करके हानिकारक कीटों में रोग उत्पन्न कर उनका नियंत्रण किया जा सकता है। यह रोग हानिकारक कीड़ों में महामारी की तरह फैलता है जिससे कीड़े मर जाते हैं। सूक्ष्म कीटनाशियों में बी.टी. का प्रयोग व्यवहारिक स्तर पर किया जा रहा है। जिसके प्रयोग से गोभी का हीरक पृष्ठ कीट, भिण्डी का तना एवं फल छेदक कीट, टमाटर का फल बेधक कीटों का नियंत्रण संभव हुआ है।

यान्त्रिक विधि से कीटों का नियंत्रण

कुछ कीट जिनको आसानी से देख जा सके उन्हें पकड़कर मार देना चाहिए। हड्डा बीटल, तम्बाकू की सूड़ी के अण्डे तथा तना व फल को भेदकर खाने वाली सूड़ी (बैगन व भिण्डी के फल छेदक कीट) को बहुत आसानी से देखकर कीट की विभिन्न अवस्थाओं को नष्ट कर देने से इनसे होने वाली क्षति से बचा जा सकता है। कीट नियंत्रण की इस विधि में लागत कम आती है एवं यह विधि सुरक्षित भी है।

रसायनों का सुरक्षित एवं आवश्यक मात्रा का प्रयोग

रसायनों का अनियमित और अत्यधिक प्रयोग करने से कीटों में प्रतिरोधी क्षमता का विकास हो जाता है। साथ ही हानिकारक रासायनिक अवशेषों की वातावरण में वृद्धि होती है। समन्वित कीट प्रबंधन में यदि दूसरे कारकों के साथ सही संतुलन बनाकर सुरक्षित रसायनों की सही मात्रा एवं उचित अंतराल पर छिड़काव किया जाय तो कीटनाशी रसायन बहुत प्रभावी होता है। विभिन्न कीटनाशियों का अलग-अलग प्रतीक्षाकाल होता है। इसलिए दवा छिड़कने के बाद प्रतिक्षाकाल के बाद फल की तुड़ाई करने से रासायनिक अवयवों के अवषेष नहीं रहते हैं।

सोयाबीन में बीमारी-कीट का नियंत्रण

बैक्टीरियल पस्च्यूल की समस्या होने पर कासुगेमेसिन 0.2 प्रतिशत, कॉपर आक्सीक्लोराइड 0.2 प्रतिशत, या स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 200 पी.पी.एम. का छिड़काव करें।

गेरूआ रोग से बचाव के लिये हेक्जाकोनेजोल 5 ई.सी. या प्रोपाकोनेजोल 5 ई.सी. या ट्राईएडमिफान 25 डब्ल्यू. पी. या कापर आक्सीक्लोराइड 20 ई.सी. रोग के लक्षण दिखते ही तुरंत 0.1 प्रतिशत की दर से 40-45 दिन की फसल होने पर छिड़काव करें। इस छिड़काव से पौधे पूरी तरह भींगने चाहिए तथा 500-700 लीटर पानी प्रति हे. प्रयोग करना चाहिए। आवश्यकतानुसार 15-20 दिन में छिड़काव दोहराना चाहिए।

कीट नियंत्रण

सोयाबीन फसल में कई कीटों का प्रकोप विभिन्न क्षेत्रों में पाया जाता है। इन कीटों में तने की मक्खी व चक्रभृंग (तना छेदक कीट), अर्ध कुन्डलक इल्ली, कम्बल कीट, तम्बाखू की इल्ली, अलसी की इल्ली, चने की फली छेदक (पत्ती भक्षक कीट), एवं सफेद मक्खी, जेसिड्स माइटस् और थ्रिप्स (रस चूसक) प्रमुख हैं।

इनके नियंत्रण के उपाय निम्नलिखित हैं

- फेरोमोन ट्रैप्स लगाने से वयस्क कीट (उड़ने वाले) आकर्षित होकर ट्रैप में गिर जाते हैं जिससे इल्लियों जैसे कीटों का नियंत्रण संभव है।
- तम्बाखू की इल्ली, एवं कम्बल कीट के नियंत्रण के लिये प्रभावित पौधों से अंडगुच्छ एवं लार्वीगुच्छ वाली पत्तियों को एकत्र कर नष्ट कर दें। जब हम खेत का निरीक्षण करते हैं तब कागज की तरह या जालीदार पत्तियां जैसे ही दिखें वहां पत्तियों के नीचे अंड गुच्छ या लार्वीगुच्छ मिल जायेंगे, इस प्रकार की पत्तियों या पूरे पौधे को धीरे से इकट्ठा करें एवं बोरी में डालते जायें तथा अन्त में खेत से बाहर लाकर नष्ट कर दें। जिस जगह पर इस प्रकार की पत्तियाँ मिलें उसके चारों तरफ कीटनाशक का छिड़काव तुरंत करें।

तना छेदक मक्खी एवं सफेद मक्खी

फोरेट 10 जी. दानेदार दवा को 10 कि.ग्रा. प्रति हे. के हिसाब से जुताई के समय मिट्जी में मिला दें। या थायोमेथोक्जाम 70 डब्ल्यू. एस. 3 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से बोनी पूर्व बीज उपचारित करें।

गर्डल बीटल (चक्रभृंग एवं पत्ती छेदक)

ट्रायजोफास 40 ई.सी. दवा 800 मि.ली. प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें। या इंडोक्साकार्ब 14.5 एस.सी., 300 मि.ली. प्रति छिड़काव करें।

पत्ती भक्षक कीट

स्पायनोसेड 45 एस.सी. 125 मि.ली. प्रति हे. या रायनेक्सीपीर 20 एस.सी. 100 मि.ली. प्रति हे. या क्लोरोपायरीफास 20 ई.सी. या क्यूनालफास 25 ई.सी. 1500 मि.ली. प्रति हे. या इंडोक्साकार्ब 15 ई.सी. 300 मि.ली. प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

जेसिडस, एफिड, माइट्स

इथियान 50 ई.सी. दवा की 1.5 लीटर मात्रा प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

तना मक्खी एवं सफेद मक्खी

थायामेथोक्जाम 25 डब्ल्यू.जी.100 ग्राम प्रति हे. या इथोफेनप्राक्स 10 ई.सी. की 1 लीटर मात्रा प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

जैविक कीटनाशक

- बैवेरिया बेसियाना या बीटी, 1 लीटर प्रति हे. की दर से छिड़काव करने से पत्ती भक्षक इल्लियों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।
- एच.ए.एन.पी.व्ही. या एस.आई.एन.पी.व्ही. की 250 एल.ई. प्रति हे. की दर से छिड़काव करने से भी पत्ती भक्षक कीटों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

अरहर को कीट-रोग से बचाएं

कीट प्रबन्धन

चने की इल्ली: इल्लियाँ हरे से भूरे रंग की एवं शरीर के किनारों पर हल्की या गहरी लहरदार धारियाँ पाई जाती हैं। इसकी इल्लियाँ प्रारम्भिक अवस्था में पत्तियों को नुकसान पहुँचाती हैं तथा बाद की अवस्था में फल्ली में गोलाकार छेद बनाकर अपना सिर फल्ली में घुसाकर दाने को खाती हैं।

फल्ली मक्खी

इस कीट के वयस्क काले रंग के तथा आकार में घरेलू मक्खी से छोटे होते हैं। इसकी इल्लियाँ दाने में सुरंग बनाकर क्षति पहुँचाती हैं तथा क्षतिग्रस्त दानों में फफूंद का प्रकोप होने से यह खाने लायक नहीं रहती। क्षतिग्रस्त फल्लियाँ सूखकर सिकुड़ जाती हैं।

पोड बग

इस कीट के शिशु एवं वयस्क दोनों फल्ली से रस चूसकर नुकसान पहुँचाते हैं, जिसमें फल्लियों में काले धब्बे बन जाते हैं। हरी फल्लियाँ गिर जाती हैं एवं फल्लियों में दाने सिकुड़े हुये, छोटे एवं कम संख्या में पाये जाते हैं।

रोग प्रबन्धन

उकठा (विल्ट)

यह रोग फ्यूजेरियम उडम नामक कवक द्वारा होता है। फसल में फूल एवं फल लगने की अवस्था में रोग का प्रकोप सर्वाधिक होता है। रोगी पौधा एकाएक पीला पड़कर सूखने लगता है।

रोकथाम के उपाय

रोग से बचने के लिये गर्मी में गहरी जुताई व निरोधक जातियाँ जैसे- सी.-11, जे.ए.-4, आशा, राजीव लोचन आदि लगाना चाहिये।

झुलसा रोग

इस रोग का प्रकोप, जहाँ पानी ठहरता है, वहाँ अधिक होता है। रोग के कारण पत्तियों पर पहले पनीले धब्बे बनते हैं। कॉलर भाग में भूरे विक्षत बनते हैं। विक्षत भाग से पौधा टूट कर सूख जाता है। फसल को मादा कूड़ विधि से लगाये, बीज मादा में बोये। खेत से जल निकास की उचित व्यवस्था करें। निंदाई- गुड़ाई समय पर अवश्य करें तथा अनावश्यक पौधे को निकाल दें ताकि उनका आवागमन अच्छा हो जिससे ज्यादा नमी न रहे। गमी की गहरी जुताई करें और संभव हो तो मिट्टी का सूर्यताप द्वारा मिट्टी का 6-7 सप्ताह के लिए निर्जीवीकृत करे ऐसा करने से मृदा जनित रोगों पर नियंत्रण किया जा सकता है।

ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें

चने की इल्ली व शंखी तेज धूप में मर जाती हैं तथा शिकारी पक्षियों द्वारा खा ली जाती हैं।

- फसल की बोनी जून माह में करने से फल्लीभेदक कीटों के प्रकोप में कमी आती है।
- ज्वार की अन्तवर्तीय फसल के रूप में तथा मक्का की ऊँची किस्म को खेत के बॉर्डर पर उगाएं। ये फसलें प्राकृतिक शत्रुओं के छिपने तथा शिकारी पक्षी उन पर बैठकर बड़ी संख्या में इल्लियों का भक्षण करते हैं।
- गेंदा को ट्रैप फसल के रूप में बॉर्डर पर उगाएँ। इससे चने की इल्ली के प्रकोप में कमी आती है।
- खेतों में चिड़ियों के बैठने हेतु 'टी' आकार की खूँटी 50 नग प्रति हेक्टेयर की दर से लगायें।
- प्रकाश प्रपंच फसल से 10-15 मीटर की दूरी पर लगाएँ तथा सायं 6.30 बजे से रात्रि 10.30 बजे तक चलाएँ।
- चने की इल्ली की निगरानी के लिये पाँच फेरोमोन प्रपंच प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 30 दिनों बाद लगाएँ।
- फसल की सतत् निगरानी करते रहें तथा कीटों का आर्थिक स्तर आने पर निम्नलिखित उपाय करें।
- चने की इल्ली: 5 अण्डे या तीन छोटी इल्लियाँ/पौधा या 1 इल्ली/ 5 शाखाओं या 5-6 प्रौढ़/प्रपंच/दिन।

ऑस्ट्रेलिया में महिला की हत्या करने का आरोपी दिल्ली पुलिस की गिरफ्त में आया, 10 लाख डॉलर का था ईनाम

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को 2018 में क्वींसलैंड में एक ऑस्ट्रेलियाई महिला की हत्या के आरोपी एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने आरोपी राजविंदर सिंह के बारे में जानकारी के आदान-प्रदान के लिए 1 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की पेशकश की थी, जो 5 करोड़ रुपये से अधिक है। सीबीआई, इंटरपोल और खुफिया इनपुट वाली स्पेशल सेल की संयुक्त कार्रवाई के बाद आरोपी राजविंदर सिंह को गिरफ्तार किया गया। ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग ने 11 नवंबर को एक ट्वीट में एक भारतीय मूल के ऑस्ट्रेलियाई नागरिक राजविंदर सिंह की गिरफ्तारी पर एक मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर के इनाम की घोषणा की थी, जिसने 21/21 को एक ऑस्ट्रेलियाई महिला की जघन्य हत्या की थी। क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया में 10/2018, और तब से फरार था। पुलिस का एक आधिकारिक बयान के अनुसार इंटरपोल ने उक्त अभियुक्तों के संबंध में रेड कॉर्नर नोटिस (आरसीएन), नियंत्रण संख्या ए-2639/3-2021 जारी किया था। सीबीआई/इंटरपोल, नई दिल्ली ने 21/11/2022 को पटियाला हाउस कोर्ट से उनके नाम के खिलाफ प्रत्यर्पण अधिनियम के तहत एक गैर-जमानती वारंट जारी किया था। भारत में ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त बैरी ओ'फारेल एओ ने 3 नवंबर को क्वींसलैंड सरकार द्वारा टोयाह कोर्डिंगले की हत्या के संबंध में 'वांछित' राजविंदर सिंह के स्थान और गिरफ्तारी की सूचना के लिए 1 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर के इनाम की घोषणा का उल्लेख किया। 2018 में। राजविंदर सिंह, 38, जिस पर टोयाह कोर्डिंग्ले की हत्या का संदेह है, क्वींसलैंड में रहता था, लेकिन मूल रूप से भारत के पंजाब में बुट्टर कलां का रहने वाला है।

अल्जीरिया में भीड़ द्वारा पीट-पीट कर चित्रकार की हत्या, अदालत ने दी 49 लोगों को मृत्युदंड की सजा

अल्जीयर्स की एक अदालत ने एक चित्रकार की भीड़ द्वारा पीट-पीट कर हत्या करने के मामले में 49 दोषियों को बृहस्पतिवार को मौत की सजा सुनाई। बचाव पक्ष के वकील के मुताबिक, मृतक पर जंगल में भीषण आग लगाने का संदेह था जबकि वास्तव में वह आग बुझाने के प्रयासों में मदद के लिए आगे आया था। पूर्वोत्तर अल्जीरिया के कबीलाई क्षेत्र में पिछले साल हुए इस हत्याकांड ने देश को झकझोर कर रख दिया था। यह घटना ऐसे समय में हुई थी, जब पहाड़ी क्षेत्र वाले बरबर प्रांत के जंगल में लगी भीषणआग के कारण 90 लोगों की मौत हो गई थी। मृतकों में वे सैनिक भी शामिल थे जो आग बुझाने के अभियान में जुटे थे। चित्रकार जमील बेन इस्माइल की हत्या में 100 से अधिक संदिग्ध शामिल थे, जिनमें से अधिकतर को उनकी हत्या में भूमिका का दोषी पाया गया। बचाव पक्ष के वकील हकीम साहेब ने बताया कि अदालत ने 38 अन्य दोषियों को 2-12 साल की सजा सुनाई गई है। गौरतलब है कि दोषियों के मौत की सजा के बजाय आजीवन कारावास की सजा काटने की संभावना है क्योंकि अल्जीरिया में दशकों से मृत्युदंड पर रोक है।

चीन के शिनजियांग के एक अपार्टमेंट में लगी भीषण आग, 10 लोगों की मौत

बीजिंग। पश्चिमोत्तर चीन के शिनजियांग क्षेत्र में एक अपार्टमेंट में आग लगने से 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। शिनजियांग की राजधानी उरुमची में स्थित अपार्टमेंट में बृहस्पतिवार को आग लग गई। आग को बुझाने में तीन घंटे का समय लगा। स्थानीय सरकार ने बताया कि इस घटना में घायल हुए किसी व्यक्ति की जान को खतरा नहीं है और आग लगने के कारण का पता लगाया जा रहा है। इससे कुछ दिन पहले मध्य चीन की एक वाणिज्य एवं व्यापार कंपनी में आग लगने से 38 लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। चीन में पुराने होते बुनियादी ढांचे, सुरक्षा के खराब प्रबंध और कुछ मामलों में सरकार द्वारा भ्रष्टाचार के कारण इमारतों में आग लगने की घटनाएं काफी आम हो गई हैं।

फॉक्सकॉन ने चीन की फैक्टरी में वेतन विवाद पर माफी मांगी

बीजिंग। एप्पल के आईफोन को असेंबल करने वाली कंपनी फॉक्सकॉन ने वेतन के विवाद के लिए बृहस्पतिवार को माफी मांग ली। इस विवाद के कारण कंपनी की फैक्टरी में कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर दिया था। कर्मचारियों ने शिकायत की थी कि फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप ने मध्य झेंगझोऊ शहर में फैक्टरी बुलाने के लिए उन्हें दिए जाने वाले वेतन की शर्तों में बदलाव कर दिया है। कर्मचारियों ने फैक्टरी में असुरक्षित स्थितियां होने की शिकायतों को लेकर पिछले महीने काम पर आना बंद कर दिया था जिसके बाद फॉक्सकॉन कर्मचारियों को वापस बुलाने की कोशिश कर रहा है। सोशल मीडिया पर आयी वीडियो में मंगलवार को शुरू हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कर्मचारियों के बीच झड़प देखी गयी। वहीं, फॉक्सकॉन ने नए कर्मचारियों को जोड़ने की प्रक्रिया में ''तकनीकी खामी'' को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि उन्हें वही वेतन दिया जाएगा जिसका उनसे वादा किया गया था। इस बीच, चीन में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर लॉकडाउन की अवधि को बढ़ा दिया गया है। झेंगझोउ के आठ जिलों की कुल आबादी करीब 66 लाख है और वहां लोगों को बृहस्पतिवार से लेकर पांच दिन तक अपने-अपने घरों में रहने को कहा गया है। शहर की सरकार ने संक्रमण से निपटने की कार्रवाई के तहत वहां व्यापक स्तर पर जांच के आदेश दिए हैं। झेंगझोउ इन दिनों खबरों में बना हुआ है, जहां स्थित एप्पल के आईफोन के दुनिया के सबसे बड़े कारखाने में कर्मचारियों को कथित तौर पर पुलिस ने संविदा संबंधी विवाद के चलते पीटा और हिरासत में रखा।

इजराइल के प्रसिद्ध गायक ने लकी अली के साथ हिब्रू-हिंदी में रोमांटिक गाना गया

इजरायल के सबसे प्रसिद्ध गायकों में शामिल मैटी केस्पी ने मशहूर भारतीय गायक लकी अली के साथ एक रोमांटिक गाना गाया है। 70 के दशक से अपने गानों से इजरायल वासियों का मनोरंजन करने वाले केस्पी के लिए गाने का रिलीज होना 'बचपन के सपने के सच होने जैसा' है। केस्पी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'जब मैं छोटा था, तब से मैं सप्ताह में एक बार रेडियो पर कार्यक्रम सुनता था और मैंने भारत सहित दुनिया भर का संगीत सुना। जब मैंने भारत का संगीत सुना, तो मैं एक तरह से सपने देखने लगा। मुझे नहीं पता क्यों, पर इसने मुझे सपने देखने को मजबूर कर दिया।' उन्होंने कहा, 'जब मैं बड़ा हुआ तो मैंने कुछ भारतीय फिल्में देखीं, शायद बॉलीवुड से, और तब भारत के नृत्य, लय और संगीत में मेरी रुचि पैदा होने लगी। तब, मुझे एहसास हुआ कि भारतीय संगीत दुनिया के अन्य स्थानों से बिल्कुल अलग है। यह मौलिक है और कई लय तथा शैलियों के साथ समृद्ध है।' केस्पी ने याद किया कि दो साल पहले, वह एक गीत की रचना करने में कामयाब रहे, जिसे उन्होंने महसूस किया कि यह उनकी संगीत संवेदनाओं पर भारतीय प्रभाव था। इस अहसास के साथ, इजरायली गायक दिल्ली में अपने मिशन पर पहुंचे। कई कलाकारों के काम को देखने के बाद, उन्होंने अली को सुना और सोचा कि 'उनकी आवाज बिल्कुल वही है जिसकी मुझे तलाश है'। दोनों ने संदेशों का आदान-प्रदान करना शुरू किया। केस्पी ने अपना गीत अली को भेजा और उन्हें बताया कि हिंदी के गीत का अनुवाद होना जरूरी नहीं है, लेकिन कुछ ऐसा होना चाहिए जो एक साथ एक लय में हो। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि लकी अली क्या गा रहे हैं, लेकिन मुझे यह बहुत अच्छा लगता है और मैं जो गाता हूं, उससे मेल खाता है।

भारत ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और समृद्धि का आह्वान किया

भारत ने हिंद महासागर क्षेत्र और व्यापक हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए हिंद महासागर परिधि संघ (आईओआरए) को मजबूत करने की अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को बृहस्पतिवार को दोहराया। विदेश राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह ने यहां आयोजित आईओआरए की मंत्रिपरिषद (सीओएम) की 22वीं बैठक में भाग लेते हुए यह बात कही। आईओआरए हिंद महासागर क्षेत्र में 23 सदस्यों और 10 संवाद भागीदारों के साथ सबसे बड़ा और पूर्व-प्रतिष्ठित संगठन है।

कंजर्वेटिव पार्टी की घटती लोकप्रियता के बीच मजबूत हुए ब्रिटिश पीएम, सर्वे में चौंकाने वाला खुलासा

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के पहले भारतीय मूल के प्रधानमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करने के एक महीने बाद ऋषि सुनक की लोकप्रियता ब्रिटेन के मतदाताओं के बीच बढ़ी है। हाल ही में कराए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार अपनी सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी की अपेक्षा मतदाताओं के बीच सुनक की लोकप्रियता ज्यादा बढ़ी है। सुनक (42) ने ऐसे समय कार्यभार संभाला है जब कोविड महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण जीवन लागत बढ़ गई है, जबकि अर्थव्यवस्था पर भी व्यापक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

''इप्सोस पॉलिटिकल मॉनिटर÷ के नवंबर अंक में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार यह सर्वेक्षण इसी महीने की शुरुआत में किया गया। सर्वेक्षण के अनुसार प्रधानमंत्री बनने के बाद सुनक की लोकप्रियता बढ़ गयी और उन्होंने विपक्षी लेबर पार्टी के नेता कीर स्टारर को पीछे छोड़ दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसा प्रतीत होता है कि महंगाई पर काबू के लिए युद्धस्तर पर काम करने के उनके संदेश से लोगों में उनके नेतृत्व के प्रति भरोसा कायम हुआ है।

जनमत सर्वेक्षण में हालांकि यह भी पाया गया कि कंजर्वेटिव पार्टी को पसंद करने वाले लोगों की संख्या में खासी कमी आई है वहीं लेबर पार्टी को पसंद करने वालों का अनुपात थोड़ा बढ़ गया है। रिपोर्ट के अनुसार सर्वेक्षण में शामिल करीब आधे (47 प्रतिशत) प्रतिभागियों का कहना है कि वे ऋषि सुनक को पसंद करते हैं, जबकि पांच में से दो (41 प्रतिशत) लोगों ने कहा कि वे सुनक को पसंद नहीं करते हैं।

इसका अर्थ है कि इस साल की शुरुआत में बोरिस जॉनसन की जो लोकप्रियता थी, सुनक उससे आगे हैं। सर्वेक्षण के अनुसार चार में से केवल एक (26 प्रतिशत) प्रतिभागी का ही कहना था कि वे कंजर्वेटिव पार्टी को पसंद करते हैं। यह जून 2007 के बाद से उनकी न्यूनतम रेटिंग

है, जब पार्टी (तत्कालीन प्रधानमंत्री) डेविड कैमरन के समय 29 प्रतिशत लोगों की पसंद थी।

जो बाइडेन ने हथियारों पर पाबंदी लगाने का किया आह्वान

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने हथियारों पर प्रतिबंध लगाने के अपने आह्वान को फिर से दोहराया है। गुरुवार को मैसाचुसेट्स के नानटकेट में अपनी यात्रा के दौरान जो बाइडेन ने संवाददाताओं से कहा, 'मैं हमला करने वाले हथियारों से छुटकारा पाने की कोशिश करने जा रहा हूं।' समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार कुछ ही दिनों में सामूहिक गोलीबारी की दो घटना के बाद यह टिप्पणी आई है। सप्ताहांत में कोलोराडो स्प्रिंग्स नाइट क्लब में हुई गोलीबारी में एक बंदूकधारी ने एआर-15 शैली की राइफल का इस्तेमाल किया। इसमें पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 19 अन्य घायल हो गए। राष्ट्रपति ने गुरुवार को कहा, 'मैं इन गोलीबारी से थक चुका हूं। हमारे पास बहुत सख्त बंदूक कानून होने चाहिए।' गन वायलेंस आर्काइव के अनुसार इस साल अब तक अमेरिका में 600 से अधिक सामूहिक गोलीबारी हुई है। पिछले साल देश ने 690 सामूहिक गोलीबारी की घटना हुई थी। इसके पहले 2020 में 610 और 2019 में 417 घटनाएं हुईं थी।

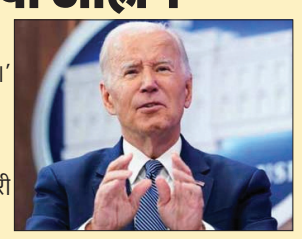

पाक सेना ने आतंकवादियों की मौजूदगी पर भारतीय जनरल की टिप्पणी को खारिज किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में लॉन्चिंग पैड और आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में भारतीय सेना के एक उच्च पदस्थ अधिकारी के बयान को खारिज करते हुए इसे ''निराधार'' करार दिया है। भारतीय सेना की उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को कहा था कि करीब 160 आतंकवादी भारत में घुसने की ताक में पीओके में लॉन्चिंग पैड पर इंतजार कर रहे हैं। पीओके वापस हासिल करने संबंधी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने कहा कि इस विषय पर एक संसदीय प्रस्ताव मौजूद है, इसलिए यह कोई नयी बात नहीं है। उन्होंने कहा, जहां तक भारतीय सेना का संबंध है, वह भारत सरकार द्वारा दिए गए किसी भी आदेश को पूरा करेगी। हम इसके लिए हमेशा तैयार हैं। पाकिस्तानी सेना की मीडिया इकाई इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने ट्वीट किया कि पीओके के संबंध में एक उच्च पदस्थ भारतीय जनरल का निराधार बयान भारतीय सेना की भ्रमपूर्ण मानसिकता की उपयुक्त अभिव्यक्ति है और इससे भारतीय सैन्य विचार पर घरेलू राजनीतिक प्रदर्शन की छाप दिखाई पड़ती है। इसने कहा, तथाकथित लॉन्च-पैड और आतंकवादियों संबंधी निराधार बयान एवं अनुचित आरोप ध्यान हटाने का एक प्रयास है। आईएसपीआर ने कहा कि पाकिस्तानी सेना के पास हमारे क्षेत्र के खिलाफ किसी भी दुस्साहस या आक्रामकता को विफल करने की क्षमता और तैयारी है।

मलेशिया के सुल्तान ने सुधारवादी नेता अनवर को देश का नया प्रधानमंत्री घोषित किया

लंदन (एजेंसी)। मलेशिया के सुल्तान अब्दुल्ला सुल्तान अहमद शाह ने सुधारवादी विपक्षी नेता अनवर इब्राहिम को बृहस्पतिवार को देश का नया प्रधानमंत्री घोषित किया। इससे मलेशिया में खंडित जनादे?श वाले आम चुनावों के बाद कई दिनों से जारी राजनीतिक अनिश्चितता का अंत हो गया। सुल्तान ने कहा कि अनवर को बृहस्पतिवार शाम पांच बजे शाही महल में मलेशिया के दसवें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई जाएगी। आम चुनाव में अनवर के नेतृत्व वाले गठबंधन पाकतन हरपन (उम्मीदों के गठबंधन) को सर्वाधिक 82 सीटों पर जीत हासिल हुई थी।

हालांकि, यह गठबंधन सरकार गठन के लिए जरूरी 112 सीटों के आंकड़े से काफी पीछे रह गया था। चुनाव में मलय समुदाय से मिले अप्रत्याशित समर्थन के कारण पूर्व प्रधानमंत्री मुहीद्दीन का मलय-केंद्रित पेरिकटन नेशनल (राष्ट्रीय गठबंधन) 72 सीटों पर जीत दर्ज करने में कामयाब रहा था। पैन-मलेशियन इस्लामिक पार्टी 49 सीटों पर जीत के साथ इस गठबंधन का सबसे बड़ा दल बनकर उभरी थी।

गतिरोध का समाधान उस समय हो गया, जब चुनाव में 30 सीटें जीतने वाले यूनाइटेड मलय

नेशनल ऑर्गेनाइजेशन (यूएमएनओ) के नेतृत्व वाले गठबंधन ने एक ऐसी एकता सरकार का समर्थन करने की सहमति जता दी, जिसका नेतृत्व अनवर के हाथों में होगा। दोनों खेमों के बीच लंबे समय से जारी राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के चलते मलेशिया की राजनीति में कुछ समय पहले तक इस तरह के गठबंधन की कल्पना करना भी मुश्किल था।

बोर्नियो द्वीप में अच्छा-खासा प्रभाव रखने वाले कई छोटे राजनीतिक दलों ने भी अनवर के नेतृत्व में एकता सरकार के गठन के सुल्तान के फैसले का समर्थन करने की घोषणा की है। शाही महल की ओर से एक बयान जारी कर कहा गया है, 'सुल्तान सभी दलों को याद दिलाते हैं कि जीतने वाले सब कुछ नहीं जीतते और हारने वाले सब कुछ नहीं खोते।÷ सुल्तान ने अनवर और उनके नेतृत्व वाली नयी सरकार से विनम्र रहने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि सभी विरोधी दलों को एक स्थिर सरकार सुनिश्चित करने और मलेशिया की राजनीतिक उथल-पुथल को समाप्त करने के लिए सामंजस्य स्थापित करना चाहिए, जिसके कारण 2018 के चुनावों के बाद से देश के तीन प्रधानमंत्री बनाए जा चुके हैं। शाही महल ने बयान में कहा है कि सुल्तान इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि अनवर वह उम्मीदवार हैं, जो बहुमत साबित करने में सफल रहेंगे। हालांकि, बयान में नयी सरकार के स्वरूप के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

अनवर नीत बहुदलीय गठबंधन के सत्ता में आने पर मलेशिया में बड़े पैमाने पर हिंसा भड़कने की आशंका जताए जाने के बाद पुलिस ने देशभर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। अनवर के प्रधानमंत्री बनने से मुहीद्दीन के शासन में मलेशिया के बढ़ते इस्लामिकरण को लेकर उपजी चिंताओं के दूर होने और शासन प्रणाली में सुधार की पहल बहाल होने की उम्मीद जगी है।

26 नवम्बर को होगा रावलपिंडी में देश के इतिहास का 'सबसे बड़ा' शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन' : पीटीआई

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता फैसल जावेद खान ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व में 26 नवंबर को रावलपिंडी में देश के इतिहास का 'सबसे बड़ा' शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन' किया जाएगा।

गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री 03 नवंबर, 2022 को वजीराबाद में एक रैली के दौरान पैर में गोली लगने से घायल हो गए थे, जिसके बाद यह आज़ादी मार्च अस्थायी तौर पर स्थगित हो गया था। श्री फैसल खान ने ट्विटर पर कहा कि पाकिस्तान की जनता आर्थिक संकट से उबरने के लिए चुनाव की मांग कर रहे हैं। उन्होंने इस संकट के लिए वर्तमान सरकार को दोषी ठहराया है। उन्होंने ट्वीट में कहा कि पाकिस्तान में सबसे बड़ी समस्या उसकी खराब अर्थव्यवस्था है और उन्होंने आर्थिक अस्थिरता के लिए राजनीतिक अस्थिरता को दोषी बताया।उन्होंने कहा, 'आज देश की सबसे बड़ी समस्या खराब अर्थव्यवस्था है, राजनीतिक अस्थिरता ही आर्थिक अस्थिरता का कारण है, गरीब और मध्यम वर्ग गंभीर समस्याओं से ग्रसित हैं, देश दिवालियापन की कगार पर पहुंच चुका है, ऐसे में एक बुद्धिमत्ता से निर्णय लेने की जरुरत है और देश में चुनाव ही इसका एकमात्र समाधान है।' पीटीआई नेता असद उमर ने रावलपिंडी के निवासियों से 26 नवंबर को श्री खान के आगमन के लिए तैयार रहने के लिए कहा है। उन्होंने ट्वीट किया, 'पिंडी तैयार रहे, कप्तान देश के बाकी हिस्सों के साथ 26 नवंबर को रावलपिंडी आ रहे हैं।'

विनाशकारी हमलों के बाद बिजली बहाल करने की कोशिश में जुटा यूक्रेन

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचों पर नये सिरे से रूसी सैन्य बलों के मिसाइल हमलों के बाद देश की राजधानी कीव के करीब 70 प्रतिशत हिस्से में बृहस्पतिवार सुबह बिजली गुल हो गई। यूक्रेनी बुनियादी ढांचों पर रूस द्वारा बुधवार को किए हमलों के कारण देश के अधिकतर हिस्सों में बिजली चली गई। यूक्रेन का विद्युत नेटवर्क पहले ही संकट में है और इन हमलों ने सर्दियां शुरू होने के बीच हालत और खराब कर दी है। इन हमलों के कारण पड़ोसी मालदोवा में भी बिजली का संकट पैदा हो गया। रूस ने नौ महीने पहले 24 फरवरी को यूक्रेन पर हमला किया था।

उसके बलों को युद्ध मैदान में मिले झटकों के बाद से रूस, अब यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचों पर विनाशकारी हमले कर रहा है। कीव के मेयर विताली क्लित्स्को ने एक बयान में बताया कि इंजीनियर बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने बृहस्पतिवार को सुबह बताया कि रूसी सेना ने बुधवार को कीव और यूक्रेन के कई अन्य क्षेत्रों में ''आवासीय भवनों और ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर हमले'' करते हुए 67 क्रूज मिसाइल और 10 ड्रोन दागे।

यूक्रेन में अन्य स्थानों पर भी बुधवार के हमलों से बाधित बिजली एवं जल आपूर्ति बहाल करने के प्रयास जारी है। यूक्रेन के ऊर्जा मंत्री हरमन हालुशचेंको ने बताया कि पूरी तरह कार्य कर रहे चार में से तीन परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को ग्रिड से पुनः जोड़ दिया गया है। ये संयंत्र बुधवार के हमलों के बाद बंद कर दिए गए थे। पोल्तावा क्षेत्र के गवर्नर दमित्रो लुनिन ने कहा कि ''एक आशावादी परिदृश्य'' को देखते हुए मध्य यूक्रेनी क्षेत्र में बृहस्पतिवार को बिजली आपूर्ति बहाल हो जाएगी। उन्होंने कहा, ''आगामी कुछ घंटों में हम अहम बुनियादी ढांचे और इसके बाद अधिकतर घरों में बिजली आपूर्ति बहाल कर देंगे।'' उन्होंने बताया कि क्षेत्र में 15,500 लोगों और 1,500 कानूनी संस्थाओं के लिए बिजली पहले ही बहाल कर दी गई है। लुनिन ने बताया कि पोल्तावा शहर के कई हिस्सों में पानी की आपूर्ति फिर से शुरू हो गई है। नए हमलों के कारण पहले से तहस-नहस ऊर्जा ढांचे पर बोझ और बढ़ गया है। नए हमलों से पूर्व यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा था कि रूस के हमलों के कारण यूक्रेन की करीब आधी आधारभूत संरचना बर्बाद हो गई है।

ट्विटर के निलंबित खातों को "माफी" दे रहे हैं मस्क, कहा लोगों की आवाज, भगवान की आवाज"

लंदन (एजेंसी)। सोशल मीडिया मंच ट्विटर के नए मालिक एलोन मस्क ने कहा कि वह निलंबित खातों को ''माफी'' दे रहे हैं। मस्क ने ट्विटर पर एक 'पोल' जारी किया था जिसमें लोगों से उन खातों की बहाली को लेकर अपनी राय जाहिर करने को कहा गया था जिन्होंने ''कानून नहीं तोड़ा है या किस तरह के 'स्पैम' में लिप्त नहीं थे।'' ऐसे खातों की बहाली के लिए 72 प्रतिशत वोट किए गए। मस्क ने 'पोल' के नतीजों के बाद लिखा, '' लोगों ने अपना फैसला सुना दिया है। अगले सप्ताह से माफी दी जाएगी। लोगों की आवाज, भगवान की आवाज है।''

मस्क ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का खाता बहाल करते हुए पिछले सप्ताह भी लातिन

के इसी मुहावरे ''लोगों की आवाज, भगवान की आवाज है'' का इस्तेमाल किया था। वर्ष 2020 में अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव के नतीजों की घोषणा के बाद कथित तौर पर ट्रंप समर्थकों द्वारा अमेरिकी कैपिटल (संसद भवन) में हिंसा किए जाने के कुछ दिन बाद जनवरी 2021 में उनका खाता स्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था। खाता बहाल होने के बाद ट्रंप ने कहा कि वह ट्विटर पर वापसी नहीं करेंगे, लेकिन उन्होंने अभी तक अपना खाता 'डिलीट' भी नहीं किया है।

हालांकि, ऑनलाइन सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि मस्क के इस फैसले से उत्पीड़न, अभद्र और गलत सूचना के प्रसार में वृद्धि होगी। इस बीच, बृहस्पतिवार को प्रकाशित यूरोपीय संघ की एक रिपोर्ट के अनुसार, ट्विटर ने घृणित सामग्री की समीक्षा करने में अधिक समय लिया और 2021 की तुलना में इस वर्ष ऐसे सामग्री को कम हटाया गया। अध्ययन में शामिल आंकड़े मस्क के ट्विटर का मालिक बनने से पहले के हैं।

ट्रंप के खिलाफ बलात्कार का आरोप लगाने वाली लेखिका ने नया मुकदमा दायर किया

वाशिंगटन। (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर 1990 में बलात्कार का आरोप लगाने वाली एक लेखिका ने बृहस्पतिवार को यहां उनके खिलाफ नया मुकदमा दायर किया। राज्य में लागू हुए एक नए कानून के तहत यौन हिंसा पीड़ितों को दशकों पहले हुए अपराधों के खिलाफ भी मामला दायर कराने की अनुमति दी गई है। इस कानून के लागू होने के कुछ ही मिनट बाद लेखिका ई. जीन कैरोल ने मुकदमा दायर किया। कैरोल के वकील ने 'एडल्ट सर्वाइवल्स एक्ट' के तहत यौन उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज करने संबंधी समयसीमा अस्थायी रूप से हटाए जाने के बीच इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से कानूनी दस्तावेज दायर किए। कैरोल ने उन्हें हुए दर्द और पीड़ा, मानसिक क्षति, गरिमा को पहुंची ठेस और प्रतिष्ठा को हुए नुकसान के लिए मुआवजा दिए जाने और आरोपी को दंड दिए जाने का अनुरोध किया है। 'एले' पत्रिका के लिए एक लंबे समय तक स्तंभ लिखने वाली कैरोल ने 2019 में छपी एक किताब में पहली बार आरोप लगाया था कि ट्रंप ने 1995 के अंत में या 1996 की शुरुआत में मैनहट्टन के एक लक्जरी डिपार्टमेंटल स्टोर के ड्रेसिंग रूम में उनसे बलात्कार किया था। ट्रंप ने इन आरोपों के जवाब में कहा था कि ऐसा कभी नहीं हो सकता था क्योंकि कैरोल ''मेरे 'टाइप' की नहीं हैं।'' इसके बाद कैरोल ने ट्रंप के खिलाफ मानहानि का मामला भी दायर किया था। इससे पहले कानून के तहत कैरोल को कथित घटना को हुए कई वर्ष बीत जाने के कारण ट्रंप के खिलाफ

बलात्कार का मुकदमा दायर करने से रोक दिया गया था।

पुलवामा हमले का मास्टरमाइंड बना पाक का नया आर्मी चीफ, कभी भारत को दी थी मिटाने की धमकी, हमेशा से रहा है भारत विरोधी एजेंडा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा 29 नवंबर को रिटायर होने जा रहे हैं। अपने रियारमेंट से पहले बाजवा ने आखिरी स्पीच दी। स्पीच में उन्होंने इमरान खान को जमकर धोया। लेकिन इमरान खान की मुश्किलें और बढ़ने वाली हैं क्योंकि ये तय हो चुका है कि उनके कट्टर दुश्मिन आसिम मुनीर पाकिस्तान के अगले आर्मी चीफ बन रहे हैं। आसिम मुनीर वो शख्स हैं जो प्रधानमंत्री आवास की जासूसी भी कर चुके हैं। आसिम मुनीर ने ये जासूसी तब की थी जब इमरान खान प्रधानमंत्री थे। तभी से इमरान खान और आसिम मुनीर के बीच कट्टर दुश्मनी हो गई थी। आसिम मुनीर पहले से ही पाकिस्तान के अगले आर्मी चीफ बनने की रेस में सबसे आगे थे। लेफ्टिनेंट जनरल आसिम मुनीर आईएसआई के चीफ भी रह चुके हैं।

फरवरी 2019 में जब पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर था तो सारे से फैसले परदे के पीछे से मुनीर ही ले रहे में थे। मुनीर उस समय आईएसआई के मुखिया थे। इसके अलावा मुनीर हमले के दौरान मिलिट्री के उस पैनल में सबसे अहम शख्स थे जो सुरक्षा नीतियों और पाकिस्तान की प्रतिक्रिया पर बड़े फैसले ले रहा था। कहा तो यहां तक गया था सैन्य कि पुलवामा आतंकी हमला मुनीर के उकसावे पर ही अंजाम दिया गया था।

अक्टूबर 2018 में आसिम मुनीर को आईएसआई का चीफ बनाया गया था। लेकिन वो केवल आठ महीनों तक ही इस पद पर रह पाए थे। आसिम मुनीर भारत में पुलवामा हमले के दौरान ही आईएसआई चीफ थे। आपको बता दें कि आसिम मुनीर के पाक आर्मी चीफ बनते ही भारत और पाकिस्तान के संबंध और भी ज्यादा खराब हो सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि पुलवामा हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान में एयरस्ट्राइक की थी तो मुनीर ने कहा था कि हमारी एयरफोर्स को भी भारत पर हमला करना चाहिए।

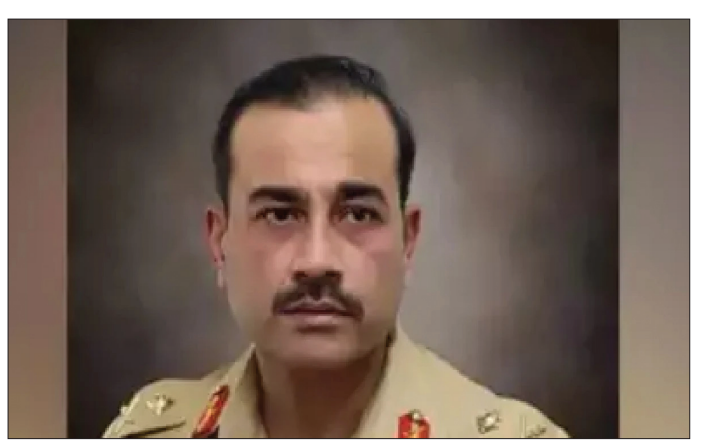

पटना में आईजी विकास वैभव की सरकारी पिस्टल हुई चोरी, पुलिस ने एक व्यक्ति को किया गिरफ्तार

पटना। बिहार के चर्चित आईपीएस अफसर विकास वैभव की 9 एमएम की लाइसेंसी पिस्टल उनके घर से चोरी हो गई। इसके बाद से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। विकास वैभव फिलहाल बिहार में बड़े पद पर हैं। खबर के साथ ही बिहार पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई कि आखिर विकास वैभव के आवास से उनका सरकारी पिस्टल किसने गायब किया। इसको लेकर जो खबर सामने आई है, उसमें बताया गया है कि इस मामले में आवास पर काम करने वाले एक होमगार्ड के बेटे को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ किया है। इसको लेकर पुलिस का भी बयान सामने आ गया है। पुलिस ने साफ तौर पर कहा है कि इस मामले में एक की गिरफ्तारी की गई है। दरोगा रंजीत कुमार रजक ने बताया कि आईजी विकास वैभव के सरकारी पिस्टल चोरी के मामले में एक सूरज कुमार नाम के व्यक्ति की गिरफ़्तारी हुई है। उन्होंने कहा कि सुरज उनके आवास पर काम करने वाले बिरेंद्र कुमार का बेटा है। सुमित कुमार की गिरफ़्तारी होनी है। सुमित की गिरफ़्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पिस्टल 9 एमएम के साथ 25 कारतूस की भी चोरी हुई है। आपको बता दें कि विकास वैभव को बिहार पुलिस का काफी चर्चित आईपीएस अधिकारी माना जाता है। खुद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी उनसे काफी प्रभावित रहते हैं। वह युवाओं के बीच में भी काफी लोकप्रिय हैं। बिहार को आगे बढ़ाने में उनका काफी योगदान भी रहता है। आईसी विकास वैभव को पहले से ही होमगार्ड के जवान पर शक हो रहा था। पुलिस ने इस मामले को लेकर सीसीटीवी फुटेज की भी तलाशी ली है। बताया जा रहा है कि विकास वैभव के घर पर पार्टी के दौरान यह काम हुआ है।

अंधविश्वास ने बनाया हैवान, तांत्रिक की सलाह पर बच्चे की हत?या कर उसका खून पीने वाली महिला समेत तीन को उम्रकैद

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर जिले में औलाद न होने पर तांत्रिक की सलाह पर एक बच्चे की हत्या कर उसका खून पीने वाली एक महिला समेत तीन आरोपियों को स्थानीय अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता विनोद शुक्ला ने शुक्रवार को पीटीआई-को यह जानकारी दी। उन्होंने घटना का ब्योरा देते हुए बताया कि थाना रोजा के जम्मुका गांव में अपने मामा मुनेंद्र के यहां रह रही धन देवी के बच्चे नहीं हो रहे थे। किसी तांत्रिक की सलाह पर उसने पड़ोस में ही रहने वाले 10 वर्षीय लाल दास को टीवी देखने के बहाने अपने घर बुलाया तथा अपने दो साथियों सूरज तथा सुनील की मदद से उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि इसके बाद तांत्रिक के बताए अनुसार धन देवी ने लाल दास को काटकर उसका खून पी लिया और मृतक के शव को घर के बाहर फेंक दिया। शुक्ला ने बताया कि छह दिसंबर, 2017 को मृतक के पिता ने रोजा थाने में मामला दर्ज कराया था और विवेचना के बाद पुलिस ने अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया था। उन्होंने बताया कि इसी मामले में अपर सत्र न्यायालय तृतीय के न्यायाधीश एहसान हुसैन ने सभी पक्षों को सुनने के बाद धन देवी, सुनील तथा सूरत को आजीवन कारावास की सजा सुनाई तथा प्रत्येक आरोपी पर पांच-पांच हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। आरोपी धन देवी घटना के बाद से जेल में ही बंद है।

राजस्थान में काम के बदले पैसे मांगने पर दलित युवक की पिटाई, पेशाब पीने को किया मजबूर

जयपुर। राजस्थान से इंसानियत को शर्मशार करने वाली एक वारदात सामने आयी हैं। एक व्यक्ति ने अपने काम के बदले अपनी दिहाड़ी मांगी तो उसे जमकर पीटा गया और हैवानियत दिखाते हुए व्यक्ति को यूरिन (पेशाब) पिलाया गया। यह घटिया चीजें यहीं नहीं शांत हुई इतना सब करने के बाद व्यक्ति को जूतों से मारा और जूतों की माला पहनाकर घुमाया गया। इस तरह की हेवानियत केवल इस लिए क्योंकि उसने अपने काम के पैसे मांगे थे। राजस्थान में लोगों में पुलिस प्रशासन का खौफ खत्म होता जा रहा हैं। पुलिस ने कहा कि राजस्थान के सिरोही जिले के एक दलित बिजली मिस्त्री को उसके काम के लिए भुगतान की मांग करने पर पीटा गया, पेशाब पिलाया गया और जूतों की माला पहनाई गई। हमले को हमलावरों में से एक ने रिकॉर्ड कर लिया, जबकि उस व्यक्ति ने उन्हें रुकने के लिए कहा था। इस पूरी वारदार का आरोपियों ने वीडिया बनाया। इस वीडियो को बाद में हमलावरों ने सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। सिरोही के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) दिनेश कुमार ने बताया कि भरत कुमार (38) द्वारा 23 नवंबर को तीन लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी। कुमार ने कुछ बिजली का काम किया था और 21,100 रुपये का बिल बनाया था। उन्हें 5 हजार रुपये का भुगतान किया गया। 19 नवंबर को वह दोपहर में बाकी रकम मांगने के लिए एक ढाबे पर गया। लेकिन उन्हें रात नौ बजे आने को कहा गया। रात करीब 9-10 बजे जब वह वापस गए तो उन्हें इंतजार कराया गया और पैसे नहीं दिए गए। फिर उसने पुलिस शिकायत दर्ज करने की धमकी दी। इस पर, आरोपी ने उसे अन्य लोगों के साथ पकड़ लिया और उसकी पिटाई की। कुमार को मारते हुए, उन्होंने उसके गले में जूतों की माला डाल दी। उनमें से एक ने वीडियो बनाया और बाद में उसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड कर दिया। उन्होंने लगभग पांच घंटे तक उसके साथ मारपीट की। मामले में आगे की जांच जारी है।

अयोध्या में तेजी से चल रहा राम मंदिर निर्माण का कार्य

नई दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का कार्य काफी तेजी से चल रहा है। खबर के मुताबिक 2023 के दिसंबर तक इसे पूरा करने का लक्ष्य है। इन सबके बीच आज श्री राम मंदिर निर्माण समिति की ओर से कुछ तस्वीरों को साझा किया गया है। इसमें साफ तौर पर दिखाई दे रहा है कि राम मंदिर निर्माण कार्य काफी तेजी से चल रहा है। दिसंबर 2023 तक मंदिर के गर्भ गृह का कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। खबर तो यह भी है कि मंदिर का करीब 60 फ़ीसदी और गर्भ गृह का 20 फीसद निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। निर्माण समिति ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के लिए निर्माण कार्य चल रहा है जिसमें भूतल पर गर्भगृह और पांच मंडप शामिल हैं। भूतल से मंदिर की कुल ऊंचाई 161 फीट है। जानकारी के मुताबिक जनवरी 2024 से गर्भ गृह रामलला के दर्शन के लिए खुल जाएगा। हाल में ही गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि जनवरी 2024 में राम मंदिर का उद्घाटन किया जाएगा। इससे पहले श्री राम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के सदस्य ने बताया था कि राम मंदिर निर्माण को लेकर 1800 करोड़ रुपए लगने वाले हैं। इसके अलावा हर हिंदू भगवान को भी मंदिर में उचित स्थान और जगह दी जाएगी। इसके लिए आसपास के 70 एकड़ का इलाका भी चयनित कर लिया गया है। ट्रस्ट की ओर से राम मंदिर को भव्य तरीके से बनाने का कार्य लगातार जारी है।

आफताब को दी जानी चाहिए फांसी, अजीत पवार बोले- पुलिस ने की कर्तव्य में चूक तो जांच के बाद किया जाए दंडित

मुंबई। श्रद्धा हत्याकांड मर्डर केस में आफताब पूनावाला पर 2020 में मुंबई पुलिस की शिकायत को लेकर महाराष्ट्र एलओपी अजीत पवार ने कहा कि यदि कोई पुलिस अधिकारी या कर्मी एक-दूसरे पर दोषारोपण करने के बजाय अपने कर्तव्य में चूक करता है, तो उसे जांच के बाद दंडित किया जाएगा। मामले को फास्ट-ट्रैक कोर्ट में चलाने की कोशिश की जानी चाहिए। पवार ने कहा कि समाज में यह संदेश जाना चाहिए कि इस तरह के जघन्य अपराध के लिए मौत की सजा के अलावा कोई सजा नहीं है। उसे फांसी दी जानी चाहिए। इससे पहले श्रद्ध की चिट्ठी को लेकर पत्रकारों से बात करते हुए महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि वो पत्र मेरे पास भी आया है। मैंने उसे देखा है, बहुत ही सीरियस पत्र है। उसके ऊपर क्यों कोई कार्रवाई नहीं हुई, इसके ऊपर जांच चलेगी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मैंने पत्र देखा (2020 में पुलिस को श्रद्धा की शिकायत) और इसमें बहुत गंभीर आरोप हैं। कार्रवाई क्यों नहीं की गई इसकी जांच की जाएगी। मैं किसी पर कुछ भी आरोप नहीं लगाना चाहता लेकिन अगर ऐसे पत्र पर कार्रवाई नहीं होती है तो ऐसी घटनाएं होती हैं।

लचित बरफुकन की 400वीं जयंती समारोह में पीएम मोदी ने अर्पित की श्रद्धांजलि

सोनोवाल बोले-मुगलों से जंग में इस्तेमाल सारे हथियार असम के लोगों ने बनाए थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अहोम जनरल लचित बरफुकन की 400वीं जयंती के अवसर पर आयोजित एक प्रदर्शनी में शामिल हुए। इस मौके पर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, राज्यपाल जगदीश मुखी, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और अन्य ने दिल्ली में लचित बरफुकन की 400वीं जयंती समारोह में भाग लिया और उनको श्रद्धांजलि अर्पित की।

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि आपने जिस तरह से %मेक इन इंडिया% के तहत देशवासियों को आत्मनिर्भर होने का मार्गदर्शन दिया आपने उसके जरिए सही मायने में लचित बरफुकन को नमन किया है। उन्होंने मुगल के ख़िलाफ़ लड़ाई में जो हथियार इस्तेमाल किए थे वह सारे हथियार असम के लोगों ने बनाए थे।

बता दें कि लचित बोड़फूकन ने 1671 में लड़ी गई सरायघाट की लड़ाई में असमिया सैनिकों को प्रेरित किया, जिसकी वजह से मुगलों को करारी और अपमानजनक हार का सामना करना पड़ा। उसने कहा, ''लचित बोड़फूकन और उनकी सेना की ओर से लड़ी गई यह लड़ाई हमारे देश के इतिहास में प्रतिरोध की सबसे प्रेरणादायक सैन्य उपलब्धियों में से एक है।

अमेरिकी रिपोर्ट ने भारत को बताया गया है धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों के खिलाफ, विदेश मंत्रालय बोला- ये उनकी उनकी समझ की कमी को दर्शाता है

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग (यूएससीआईआरएफ) की भारत में धार्मिक आजादी संबंधी रिपोर्ट को भारत की तरफ से सिरे से नकार दिया गया है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता के अमेरिकी आयोग (यूएससीआईआरएफ) की रिपोर्ट की आलोचना की है। भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से कहा गया है कि इसकी कोई विश्वसनीयता नहीं है और ये मनगढंत एजेंडे के आधार पर तैयार किया गया है। यूएससीआईआरएफ की रिपोर्ट में कहा गया कि कथित तौर पर धार्मिक स्वतंत्रता भारत में खतरे में है। विदेश मंत्रालय ने रिपोर्ट में की गई टिप्पणियों को यूएससीआईआरएफ द्वारा भारत के बारे में पक्षपाती और गलत टिप्पणियों के रूप में वर्णित किया। यूएससीआईआरएफ की रिपोर्ट में कहा गया कि कथित तौर पर धार्मिक स्वतंत्रता भारत में खतरे में है। प्रवक्ताअरिंदम बागची ने कहा कि वे तथ्यों को लगातार गलत तरीके से पेश करने की प्रवृत्ति रखते हैं और यह हमारे संवैधानिक ढांचे, बहुलता और हमारी मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था के बारे में उनकी समझ की कमी को दर्शाता है। इस साल की शुरुआत में अपनी 2022 की वार्षिक रिपोर्ट में यूएससीआईआरएफ ने सिफारिश की थी कि अमेरिकी राज्य विभाग भारत को गंभीर धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघन में शामिल होने के लिए 'विशेष चिंता का देश' के रूप में नामित करे।

योगी आदित्यनाथ ने सपा और बसपा पर साधा निशाना, कहा विभाजनकारी राजनीति के लिए जानी जाती थीं पिछली सरकारें

लखनऊ । (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विपक्षी दलों खासतौर से समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में पिछली सरकारें जातिवाद, क्षेत्रवाद और धार्मिक भावनाओं के आधार पर विभाजनकारी राजनीति के लिए जानी जाती थीं, वहीं वर्तमान सरकार सभी वर्गों के हित में काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नेशुक्रवार को यहां 86.5 करोड़ रुपये से अधिक की कुल 88 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद प्रदर्शनी मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अलीगढ़ में रक्षा गलियारा और स?मार्ट सिटी उद्यम जैसी परियोजनाओं को लागू किया है। उन्होंने संभावित निकाय चुनाव में भाजपा को पूर्ण बहुमत दिलाने का आह्वान करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार ने विकास के एक नये युग की शुरुआत की है और केंद्र व राज्य की तरह जब निकायों में (शहरी स्थानीय निकाय चुनाव) में भारतीय जनता पार्टी के निर्वाचित प्रतिनिधियों का बहुमत मिलेगा तो विकास की गति और तेज होगी।

उन्होंने कहा कि जहां उत्तर प्रदेश में पिछली सरकारें जातिवाद, क्षेत्रवाद और धार्मिक भावनाओं के आधार पर विभाजनकारी राजनीति के लिए जानी जाती थीं, वहीं वर्तमान सरकार सभी वर्गों के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। योगी ने राज्य की बेहतर कानून-व्यवस्था का हवाला देतेहुए कहा कि राज्य में कानून और व्यवस्था की बेहतर स्थिति से औद्योगिक विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है और उद्यमी यहां निवेश करने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य की जनता का समर्थन इसलिए मिला क्योंकि सरकार ने उन्हें सुरक्षा और स्वाभिमान, दोनों मुहैया कराया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य में आम लोगों के लिए सभी नागरिक सुविधाओं में बड़ा सुधार करने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों के दौरान पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर स्ट्रीट लाइट परियोजना चलाई गई।

शराब घोटाले में सीबीआई ने दाखिल की चार्जशीट, सिसोदिया का नाम नहीं, 'आप' बोली- सत्यमेव जयते

नई दिल्ली । दिल्ली शराब घोटाले में सीबीआई की जांच लगातार जारी है। आज सीबीआई की ओर से एक चार्जशीट दाखिल की गई है। इस चार्जशीट में दिल्ली के उप मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया का नाम नहीं है। सीबीआई की चार्जशीट में विजय नायक, अभिषेक और पांच अन्य लोगों के नाम है। सीबीआई ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाले मामले में 7 आरोपियों के खिलाफ अपना पहला आरोपपत्र दाखिल किया है। मनीष सिसोदिया का नाम नहीं होने को लेकर आम आदमी पार्टी ने अपनी जीत बताई है। आम आदमी पार्टी ने साफ तौर पर कहा है सत्यमेव जयते। आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने अपने बयान में कहा कि सीबीआई की चार्जशीट में मनीष सिसोदिया का नाम नहीं है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इतिहास में यहां पहली बार हो रहा है कि जिसे नंबर वन आरोपी बनाया गया उसका नाम चार्जशीट में नहीं है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस व्यक्ति ने गरीब के बच्चों को डॉक्टर इंजीनियर बनाया, उस व्यक्ति को भाजपा ने 6 महीने तक गालियां दी है। यह दिल्ली के लोगों की जीत है।

भाजपा में शामिल हुए एम शशिधर रेड्डी, हाल में ही छोड़ी थी कांग्रेस, 4 बार रह चुके हैं विधायक

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना में भाजपा को आज एक और मजबूती मिली है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे एम शशिधर रेड्डी भाजपा में शामिल हो गए हैं। दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय में एम. शशिधर रेड्डी को पार्टी में शामिल कराया गया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी, सर्वानंद सोनेवाल और तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष बंदी संजय कुमार मौजूद रहे। आपको बता दें कि एम शशिधर रेड्डी तेलंगाना के बड़े नेता माने जाते हैं। उन्होंने हाल में ही कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। वह सनतनगर से चार बार विधायक रहे हैं। पूर्व की सरकार में वह मंत्री भी रहे हैं। एम शशिधर रेड्डी अविभाजित आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एम चन्ना रेड्डी के बेटे भी हैं।

इससे पहले उन्होंने तेलंगाना कांग्रेस के नेताओं के कांग्रेस लॉयलिस्ट्स फोरम का नेतृत्व भी किया था। उन्होंने अपना त्यागपत्र कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेज दिया था। उन्होंने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी को अपने इस्तीफे के कारणों बताते हुए एक पत्र भी लिखा है। उन्होंने पत्र में, पार्टी मामलों में कथित तौर पर पैसे के बढ़ते प्रभाव, तेलंगाना में सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) से प्रभावी ढंग से मुकाबला करने में कांग्रेस की विफलता और कांग्रेस प्रभारियों और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों के खराब कामकाज के बारे में लिखा है। रेड्डी ने 1960 के दशक में पार्टी का चुनाव चिह्न जब बैल का जोड़ा और उसके बाद गाय और बछड़ा था, तब से खुद के और अपने दिवंगत पिता के कांग्रेस के साथ पुराने संबंध को याद करते हुए कहा कि उनके पिता की ही सलाह पर बाद में इंदिरा गांधी ने ''हाथ'' का चिह्न चुना था।

भारत जोड़ो यात्रा की तैयारियों के लिए राजस्थान जाएंगे केसी वेणुगोपाल, गहलोत-पायलट विवाद पर कही यह बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा अगले महीने राजस्थान पहुंचने वाली है। फिलहाल कांग्रेस के भारत जोड़ो यात्रा मध्य प्रदेश में है। राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं। इन सबके बीच खबर यह है कि कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल 29 नवंबर को जयपुर जाएंगे। केसी वेणुगोपाल का यह दौरा भारत जोड़ो यात्रा की तैयारियों की समीक्षा के लिए हो रहा है। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषक इसको अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच विवाद से जोड़कर देख रहे हैं। केसी वेणुगोपाल से इसको लेकर सवाल भी पूछा गया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कोई भी विवाद नहीं है।

केसी वेणुगोपाल ने आगे कहा कि राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कांग्रेस की एकजुटता साफ तौर पर दिखाई देगी। भले ही किसी बहनों को पाल यह दावा कर रहे हैं कि अशोक गहलोत और सचिन पायलट में सब कुछ ठीक है। लेकिन जिस तरीके से कल दोनों के बीच जुबानी जंग देखने को मिली उसके बाद से एक बार फिर से राजस्थान में कांग्रेस के भीतर की अंतर्कलह सामने आ चुकी है। अशोक गहलोत ने सचिन पायलट को लेकर कहा कि वह गद्दार है और कभी भी मुख्यमंत्री नहीं बन सकते। दूसरी ओर सचिन पायलट ने साफ तौर पर कहा कि कीचड़ उछालने से कुछ नहीं होता है। हमें कांग्रेस पार्टी को मिलकर एकजुट करना होगा। गहलोत ने कहा था कि विधायक कभी उसे स्वीकार नहीं करेंगे जिसने बगावत की हो और जिसे गद्दार कहा गया हो। वह मुख्यमंत्री कैसे बन सकता है? विधायक ऐसे आदमी को मुख्यमंत्री कैसे स्वीकार करेंगे। सचिन पायलट ने अशोक गहलोत के 'गद्दार' वाले बयान पर कहा कि इतने अनुभव वाले किसी व्यक्ति को ऐसी का इस्तेमाल करना शोभा नहीं देता, मैंने कभी ऐसा नहीं किया। वहीं, इस विवाद पर जयराम रमेश ने कहा था कि गहलोत, कांग्रेस के वरिष्ठ और अनुभवी नेता हैं। लेकिन उनके द्वारा एक साक्षात्कार में (पायलट के लिए) जिस शब्द (गद्दार) का इस्तेमाल किया गया, वह अप्रत्याशित था और इससे मुझे भी आश्चर्य हुआ।'' रमेश ने कांग्रेस को एक परिवार बताया और कहा, ''पार्टी को गहलोत और पायलट, दोनों की जरूरत है। कुछ मतभेद हैं जिनसे हम भाग नहीं रहे हैं।

समलैंगिक विवाह को मान्यता की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को विशेष विवाह अधिनियम के तहत समलैंगिक विवाह को मान्यता देने की मांग वाली दो याचिकाओं पर केंद्र और अटॉर्नी जनरल को नोटिस जारी किया।

मुख्य याचिकाकर्ता सुप्रियो चक्रवर्ती और अभय डांग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज किशन कौल ने मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष प्रस्तुत किया कि यह विशेष विवाह अधिनियम के तहत समान लिंग विवाह के लिए एक याचिका है। पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति हिमा कोहली भी शामिल हैं, ने कहा कि उच्च न्यायालय पहले से ही मामले की सुनवाई कर रहा है। वकील ने प्रस्तुत किया कि केंद्र ने केरल उच्च न्यायालय को सूचित किया था कि शीर्ष अदालत के समक्ष स्थानांतरण याचिका दायर की जाएगी।

दूसरी याचिका में अन्य याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि यह नवतेज जौहर और पुट्टुस्वामी मामले की अगली कड़ी है और यह एक जीवित मुद्दा है न कि संपत्ति का मुद्दा। कौल ने प्रस्तुत किया कि मुद्दा ग्रेच्युटी, गोद लेने, समान-लिंग वाले जोड़ों की सरोगेसी और संयुक्त खाते खोलने जैसे बुनियादी अधिकारों को प्रभावित करता है। चक्रवर्ती और डांग लगभग 10 वर्षों से एक-दूसरे के साथ हैं और उन्होंने दिसंबर 2021 में एक सेरेमनी की थी, जहां उनके रिश्ते को उनके माता-पिता, परिवार और दोस्तों ने आशीर्वाद दिया था।

शीर्ष अदालत ने दलीलें सुनने के बाद केंद्र और अटार्नी जनरल को भी नोटिस जारी किया। याचिका में कहा गया है कि शीर्ष अदालत ने माना है कि अनुच्छेद 21 गारंटी देता है कि एक वयस्क व्यक्ति को अपनी पसंद के व्यक्ति से शादी करने का अधिकार है। याचिका में कहा गया, विवाह के रिश्ते में प्रवेश करने के लिए व्यक्तियों की स्वतंत्रता और निजता के अधिकार के महत्वपूर्ण पहलू हैं। इस माननीय न्यायालय ने हमेशा अंतर-धर्म और अंतर-जाति जोड़ों की रक्षा की। साथ ही समय-समय पर ऐसे जोड़ों की रक्षा के लिए कदम उठाया है, जहां उनके रिश्तों को अन्यथा सामाजिक और पारिवारिक दबाव से खतरा था।

इस्लामिक संगठन से खतरे के बाद कर्नाटक मंदिर प्रबंधन ने की सुरक्षा की मांग

बेंगलुरु। अज्ञात इस्लामिक संगठन इस्लामिक रेजिस्टेंस काउंसिल (आईआरसी) की धमकी के बाद कादरी मंजूनाथ मंदिर के प्रबंधन ने अतिरिक्त सुरक्षा की मांग की है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंदिर की मुख्य कार्यकारी अधिकारी जयम्मा ने इस संबंध में कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के कादरी पुलिस थाने में शिकायत की। साथ ही पुलिस से आईआरसी द्वारा जारी धमकियों के संबंध में उचित कानूनी कार्रवाई शुरू करने का अनुरोध किया है। शिकायत में कहा कि हजारों श्रद्धालु प्रतिदिन मंदिर आते हैं और इस खतरे पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। एक अज्ञात इस्लामिक संगठन इस्लामिक रेसिस्टेंस काउंसिल (आईआरसी) ने गुरुवार को 19 नवंबर को मंगलुरु ऑटो विस्फोट की जिम्मेदारी ली और भविष्य में एक और हमले की चेतावनी दी। आईआरसी ने कहा, हमारे भाई का कादरी हिंदू मंदिर पर हमला करने का प्रयास विफल रहा है। यह हमला सफल नहीं हुआ। राज्य और केंद्रीय एजेंसियां हमारे भाइयों को गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही हैं। वे उनका पीछा कर रही हैं। हालांकि, हम एजेंसियों के चंगुल से निकलने में सफल रहे हैं। भविष्य में एक और हमला किया जाएगा।

शीतकालीन सत्र शुरू होने से एक दिन पहले बुलाई जाएगी सर्वदलीय बैठक, संसदीय कार्य मंत्री ने सुचारू कामकाज के लिए मांगा सहयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का शीतकालीन सत्र 7 दिसंबर से शुरू होगा और ये 29 दिसंबर तक चलेगा। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी महत्वपूर्ण विधायी कार्य पर चर्चा करने के लिए शीतकालीन सत्र शुरू होने से एक दिन पहले 6 दिसंबर को संसद में लोकसभा और राज्यसभा के नेताओं की सर्वदलीय बैठक बुलाएंगे। वह संसद के शीतकालीन सत्र में उठाए जाने वाले संभावित मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे। विधायी कार्य और संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में उठाए जाने वाले संभावित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए लोकसभा/राज्यसभा में राजनीतिक दलों के सदन के नेताओं की बैठक के लिए आपको आमंत्रित करते हुए मुझे खुशी हो रही है। दोनों सदनों के फ्लोर लीडर्स।

मंत्री ने दोनों सदनों के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने में भी सहयोग मांगा।

प्रह्लाद जोशी ने कहा कि मैं दोनों सदनों के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए आपका सहयोग भी चाहता हूं। बैठक मंगलवार 6 दिसंबर 2022 को संसद पुस्तकालय भवन, संसद भवन में सुबह 11 बजे होगी।' संसद का शीतकालीन सत्र इस साल 7 दिसंबर से 29 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री ने पहले घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि आगामी शीतकालीन सत्र में कुल 17 कार्य दिवस होंगे।

विशेष रूप से यह पहला सत्र होगा, जिसके दौरान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यसभा के सभापति, उच्च सदन (राज्य सभा) में कार्यवाही करेंगे। जहां सरकार संसद के आगामी सत्र के दौरान कई विधेयकों को पारित करने की योजना बना रही है, वहीं विपक्ष जरूरी मामलों पर चर्चा की मांग करेगा। सत्र के पहले दिन, सदस्यों द्वारा दिवंगत सदस्यों को सम्मान देने की संभावना है। समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव उन नेताओं में से एक थे जिनकी मृत्यु ने राजनीतिक दलों के नेताओं से श्रद्धांजलि दी थी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आचार संहिता सखी से लागू, 1 करोड की शराब और 2.57 करोड के नकद-गहने जब्त

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात विधानसभा आम चुनाव-2022 के पहले चरण का मतदान 01 दिसंबर को और दूसरे चरण का मतदान 05 दिसंबर को सुबह 08ः00 बजे से शाम 05ः00 बजे तक होगा। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही समग्र राज्य में 03/11/22 से आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। एक स्वतंत्र और निष्पक्ष वातावरण में चुनाव प्रक्रिया के संचालन के उद्देश्य से कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी आयुष ओक के मार्गदर्शन में पूरे सूरत जिले में अलग-अलग टीमें काम कर रही हैं ।

1.22 करोड की देशी विदेशी शराब जब्त गुजरात नारकोटिक्स कंट्रोल एक्ट, 1949 के तहत राज्य में दिनांक 03/11/2022 से 25/11/2022 तक 11,602 लीटर देशी शराब 2,32,424/- मूल्य की और भारतीय निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) की 41,417 बोतलें जिसमें 16,3-63.78 लीटर शराब जिसकी कीमत रु. 94,11,386/- व अन्य सामान जब्त किया गया है। जिसमें सूरत सिटी पुलिस ने रु. 40,71,010/- की शराब व सूरत ग्राम्य पुलिस ने रु. 81,50,532/- मूल्य की शराब सहित कुल रु. 1,2-2,21,542/- का माल सामान जब्त किया गया।

2.57 करोड की नकद, गहने सहित का माल सामान जब्त सूरत शहर जिले में कार्यरत स्टैटिक सर्वेलन्स टीम (एसएसटी) द्वारा 165-मजुरा विधानसभा क्षेत्र से 55,28,000/- नकद, 159-सूरत पूर्व विधानसभा क्षेत्र से 17,00,000/- नकद, आई. टी. द्वारा महिधरपुरा क्षेत्र से 1,60,00,000/- और आई. टी. जांच व पुलिस द्वारा कुल 63,88,700 सहित सूरत शहर जिले में से कुल 2,96,16,700 रुपये की नकद राशि जब्त कर आचार संहिता का सखी से पालन कराया गया है। इसके अलावा आयकर जांच व पुलिस के साथ 1 किलो जेवरात भी बरामद किए जिसकी किमत 54,05,000 है और 160 - सूरत उत्तर विधानसभा क्षेत्र से 4.17 किलोग्राम के आभूषणों की कीमत 37,58,565/- के साथ-साथ अन्य सोने के आभूषण और अन्य सामान सहित कुल 2,57,90,565/- का माल सामान जब्त किए गए हैं।

सोने के सिक्कों का लालच देकर 1 करोड की ठगी करनेवाला डिंडोली से पकड़ा गया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

एक पुराने पारसी घर की खुदाई के दौरान नकली सोने के सिक्कों को सस्ते में बेचने का प्रलोभन देकर एक करोड़ 10 लाख रुपये की ठगी करने वाले एक आरोपी को डिंडोली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ वापी जीआईडीसी थाने में अपराध दर्ज किया गया था। आरोपी पिछले 10 महीने से पुलिस को गुमराह कर इधर-उधर भाग रहा था। आखिर में उसे सूरत से डिंडोली पुलिस ने पकड़ा है।

सोने के सिक्कों का लालच देकर जालसाज पकड़ा गया डिंडोली पुलिस के जवान जब गश्त पर थे, तभी एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी अर्जुन उर्फ ??दिनेश उर्फ ??भीमो भीखाभाई सोलंकी को डिंडोली पुरानी जकातनाका रेलवे ट्रैक से पकड़ा गया। पुलिस जांच में पता चला कि बडौदा में रहनेवाले प्रभु उर्फ ??राजेश उर्फ ??राजू गुलशन सोलंकी और उनकी मां मीरा गुलशन सोलंकी और प्रभु सोलंकी की मौसी तेजू राठौर के साथ 2019 में दीवाली के दौरान वापी जीआईडीसी स्थित हाईवे पर हॉटल में आए थे। सूरत उत्रान में रहने वाले गोविंदभाई बोरडा रात के खाने के लिए हाईवे पर होटल में गए थे। उस समय आरोपी दिनेश सोलंकी मजदूर के भेष में गोविंदभाई के पास गया और बहुत भूखा है और खाना मांगने पर गोविंदभाई को दया आई और उन्होने उसे होटल से खाना दिलवाया। तो आरोपी दिनेश सोलंकी ने गोविन्दभाई को एक सोने का सिक्का दिया और कहा कि सेलवास में पारसी के एक पुराने घर में नींव की खुदाई के दौरान हमें कई सोने के सिक्के मिले हैं, उन्होंने अपना मोबाइल नंबर यह कहते हुए दिया कि हम मुफ्तखोरी स्वीकार नहीं करते हैं। सो गोविन्दभाई सूरत आये और महीधरपुरा में सोनी के सिक्के की जाँच करवायी और पता चला कि यह असली सोना है और गूगल पर खोज करने पर यह अठारहवीं शताब्दी का सिक्का है।

षड्यंत्र रचा और धोखे से व्यापारी को सोने के सिक्के में फंसाया हालांकि, इसके बाद आरोपी ने गोविंदभाई से मोबाइल फोन पर बात की और बताया कि उसके पास 40 से 50 किलो सोने के सिक्के हैं। ये सिक्के सस्ते में बेचे जाने है ऐसा गोविंदभाई को कहा तो वह लालच में आकर वापी चले गया। जहां आगे आरोपियों ने साजिश रची और पहले गोविंदभाई को 10 किलो सोने के सिक्कों से भरा बैग दिखाया। जिसमें से गोविन्दभाई ने जाँच के लिए सात सिक्के निकाले और फिर सोनी से जाँच करने के लिए वापस सूरत आए, तो वे असली सोने के सिक्के निकले। उसके बाद गोविंदभाई को संपुर्ण विश्वास आ गया।

40 से 45 किलो सोने के सिक्के तीन करोड़ में लेने का फैसला किया

राहुल गांधी, केजरीवाल को आड़े हाथों लेते हुए स्मृति इरानी बोलीं-

'आम आदमी पार्टी को वोट मतलब शराबी और बाल बलात्कारियों का समर्थन'

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

विधानसभा चुनाव अब प्रचार से दूर दिनों की गिनती कर रहे हैं। तब पार्टी के हर नेता अपना जोर लगा रहे हैं। सूरत में युवा महिला सम्मेलन में स्मृति ईरानी मौजूद थीं। जिसमें उन्होंने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर आरोप लगाए साथ ही राहुल गांधी और केजरीवाल को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि आप को वोट देने का मतलब है शराबी और बाल बलात्कारियों का समर्थन करना।

कैबिनेट में शराब पी जाती है केजरीवाल ने शराब पीना सिखाने वाला क्लास शुरू किया। अपने कैबिनेट में शराब पीने के तरीके पर क्लास शुरू करने के बारे में चर्चा करता है। वे खुद अपने क्षेत्र के किसी स्कूल में नहीं गए। शिक्षा जगत की बात करते है। आम आदमी पार्टी के नेताओं को वोट देना एक शराबी को वोट देने जैसा है। और बाल बलात्कारियों के समर्थकों को वोट देना ठीक है।

भारत जोडो यात्रा में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगे राहुल गांधी को अमेठी से बाहर करने के बाद वे भारत के दौरे पर हैं। आश्चर्यजनक रूप से वे भारत को एक करने जोडने के लिए निकल पड़े हैं। लेकिन क्या भारत खंडित या छिन्नभिन्न हो चुका है। फिर भी वे ऐसा रूप दिखा रहे हैं जैसे कि वे अपनी फिटनेस में प्रदर्शन कर रहे हों और यात्रा कर रहे हैं । भारत जोडो यात्रा में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए जाते हैं। ऐसे में स्वाभाविक रूप से कई सवाल उठ रहे हैं। जो लोग उनसे जुड़े हैं वे कौन हैं और उन लोगों की क्या मानसिकता है, इससे देश भली-भांति परिचित है।

आप के गुंडे तो माताओं तक का अपमान करते हैं स्मृति ईरानी ने कहा कि आम आदमी पार्टी के गुंडों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को बदनाम कर सारी हदें पार कर दी हैं। मैं उनके लिए सिर्फ गुडा शब्द का इस्तेमाल कर सकती हूं। आम आदमी पार्टी के नेताओं में दम है तो गुजरात में आकर ऐसे शब्द बोलें। आम आदमी पार्टी के सदस्य बार-बार गुजरात की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। वे अपने स्कूल नहीं जा रहे हैं और उनके नेताओं को बाल बलात्कारियों से जेल में सेवाएं मिल रही हैं। रेप की शिकार बच्ची के माता-पिता पर क्या असर पड़ेगा? ऐसे बलात्कारी जब मंत्री की सेवा कर रहे होंगे और ये मंत्री उन्हें अपनी सेवा में पास रख रहे होंगे।